www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 31.c

28.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.935g

चांदी 106,000kg

2 लाखों सपने साकार करेगी वंदे भारत, राष्ट्र का भी होगा विकास

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 6 लोग झुलसे 04

वर्ष :08 | अंक :357 | मुंबई , बुधवार ,18 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति 2025 का आयोजन, 90 कर्मियों वाली सेना की टुकड़ी रवाना

नयी दिल्ली। 90 कर्मियों वाली भारतीय सेना की एक टुकड़ी भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' के 8वें संस्करण में भाग लेने के लिए फ्रांस के लिए रवाना हुई। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के सदस्य, 18 जून से 1 जुलाई तक फ्रांस के ला कैवेलरी के कैंप लारजैक में होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। इस बीच, 90 कर्मियों वाली फ्रांसीसी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 13वीं विदेशी लीजन हाफ-ब्रिगेड (13वीं डीबीएलई) द्वारा किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, 70 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलने का रेड अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें हल्की से मध्यम बारिश और 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएँ चलने की संभावना जताई गई है। मंगलवार को दोपहर 12.45 बजे जारी किए गए अलर्ट में कहा गया है कि अगले दो घंटों में मौसम की गतिविधि होने की संभावना है - शाम 4-15 बजे तक, कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। कुल मिलाकर, कटऊ ने मंगलवार और बुधवार दोनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि शहर में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। गुरुवार से कोई रंग-कोडित अलर्ट जारी न किए जाने के बावजूद, इस क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है, जिससे यह सप्ताह गीला रहेगा और लू नहीं चलेगी।दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में मंगलवार को बारिश हुई, जिससे लोगों को झुलसाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इससे पहले, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज दिल्ली और किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अनुमान जताया था। आईएमडी ने मध्यम स्तर के आंधी-तूफान की चेतावनी देते हुए जनता के लिए सुरक्षा परामर्श भी जारी किए। मौसम विभाग के परामर्श के अनुसार, आकाशीय बिजली गिरने से खासतौर से खुले इलाकों में जान का खतरा हो सकता है। यातायात बाधित हो सकता है और विमान या ट्रेन सेवाओं में विलंब हो सकता है। पशुओं और घर से बाहर काम कर रहे लोगों को भी खतरे की आशंका है। इसमें यह भी कहा गया है कि लोगों को घरों के भीतर रहने और अनावश्यक रूप से यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। करंट से बचने के लिए बिजली से चलने वाले उपकरण भी बंद रखने की सलाह दी गयी है। लोगों को पेड़ या धातु से बनी संरचनाओं के नीचे शरण लेने और बिजली गिरने के दौरान बाहर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के खिलाफ आगाह किया गया है।

एक दिन में एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल

अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट शामिल; सैन फ्रांसिस्को-मुंबई के पैसेंजर कोलकाता में उतारे गए

फ्लाइट्स कैंसिल

टाटा समूह के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन ने रिपोर्ट दाखिल होने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। यह घटना 12 जून को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान के उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें विमान में सवार और जमीन पर मौजूद 270 से अधिक लोग मारे गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कोलकाता , एअर इंडिया की 7 इंटरनेशनल फ्लाइट मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन, दिल्ली-पेरिस, दिल्ली-वियना, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-दुबई, बेंगलुरु-लंदन फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद में 12 जून को अक-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट अक-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई।फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था, लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी।दिल्ली से पेरिस जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट अक142 भी टेक्निकल परेशानी के बाद रद्द की गई, जो उड़ान से पहले जांच के दौरान सामने आई। इसके अलावा लंदन से अमृतसर आ रही फ्लाइट को भी तकनीकी दिक्कतों के चलते रद्द किया गया। उधर, सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट अक-180 में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा।

कोलकाता में उतारे गए पैसेंजर्स

सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा।

इंडिगो विमान में बम की सूचना

मंगलवार को मस्कट (ओमान) से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। एयरलाइंस को सूचना मिली थी कि विमान में बम रखा गया है।

फ्लाइट नंबर अक 180 कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी। बोइंग 777-200 (वर्ल्डलाइनर) विमान 17 जून को रात 12:45 बजे समय पर कोलकाता पहुंचा था। इसे मुंबई के लिए रात 2:00 बजे रवाना होना था।विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण टेकऑफ में देरी हुई।इसके बाद सुबह करीब 5:20 बजे कैप्टन ने यात्रियों से कहा गया कि वे प्लेन से नीचे उतर जाएं। उन्होंने बताया कि यह फैसला फ्लाइट सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला

मिलिट्री इंटेलिजेंस की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया; इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा

ईरान बोला- मोसाद पर नई मिसाइल दागी, इसका पता लगाना मुश्किल

ईरान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसने इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमले के लिए एक नई मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कोई भी डिफेंस सिस्टम इसका पता नहीं लगा सकता है।

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव , इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी अटअठ की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है।इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल रेजा तलाई-निक ने कहा कि आज के हमले में हमने ऐसी मिसाइलें तैनात कीं जिन्हें ट्रैक या इंटरसेप्ट नहीं किया जा सका। इसलिए यह इजराइल के कई लेयर वाले डिफेंस सिस्टम को भेदने में सफल रही।

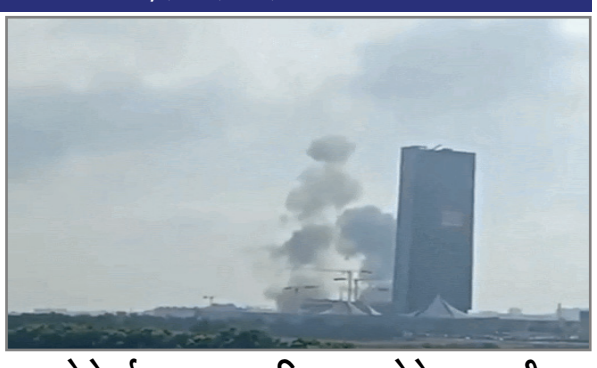

ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु हथियार बनाने के बहुत करीब था

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ही देश की खुफिया एजेंसी के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें बताया गया था कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है।दरअसल, मार्च में ट्रम्प की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड ने कहा था कि अमेरिकी खुफिया विभाग के आकलन से पता चला है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। ट्रम्प ने गबार्ड की बातों को नकारते हुए कहा, "मुझे फर्क नहीं पड़ता है कि किसने क्या कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को जमकर लताड़ा

कहा- माफी मंगवाने का काम आपका नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को राज्य में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के बारे में अवगत कराने के लिए एक दिन का समय दिया, कहा कि कानून का शासन स्थापित होना चाहिए।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भीड़ को सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती, फिल्म ठग लाइफ कर्नाटक में रिलीज होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में ठग लाइफ की रिलीज के संबंध में कहा कि कानून कहता है कि सीबीएफसी ने जिस फिल्म को मंजूरी दे दी है, उसे प्रत्येक राज्य में रिलीज करना होगा। लोगों को भयभीत करने तथा सिनेमाघरों को जलाने की धमकी की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय को कमल हासन के बयान को लेकर उनसे माफी मांगने को नहीं कहना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को राज्य में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के बारे में अवगत कराने के लिए एक दिन का समय दिया, कहा कि कानून का शासन स्थापित होना चाहिए। अगर अभिनेता कमल हासन ने कुछ कहा है तो लोगों पर उस पर बहस करने दीजिए लेकिन फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने से नहीं रोका जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के निमार्ता द्वारा दायर याचिका को कर्नाटक उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित कर लिया और राज्य सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा।

बिहार-झारखंड पहुंचा मानसून, 19 राज्यों में बारिश

यूपी समेत 4 राज्यों में बिजली गिरने से 19 की मौत; दिल्ली में खराब मौसम से 12 फ्लाइट डायवर्ट

मौसम विभाग का अनुमान है, अगले दो दिन में मानसून गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के साथ ही यूपी-राजस्थान में दस्तक दे सकता है।

एजेंसी

मुंबई, दक्षिण पश्चिम मानसून मंगलवार को बिहार-झारखंड पहुंच गया है। चार जिलों औरंगाबाद, किशनगंज, कटिहार और बांका में सुबह तेज बारिश हुई। सोमवार को मानसून ने गुजरात-मध्य प्रदेश में एंट्री की थी। महाराष्ट्र के विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ा है।

मध्य प्रदेश , यूपी, राजस्थान और बिहार में बिजली गिरने से सोमवार को 19 लोगों की मौत हो गई। आज गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश का रेड, जबकि मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 17 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट है।इधर, दिल्ली में मानसून से पहले की बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों में पानी भर गया। खराब मौसम की वजह से दोपहर 3 से 4 बजे के बीच 12 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं।राजधानी में 35-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे कई जगह पेड़ उखड़कर गिर गए।इसे ट्रैफिक जाम हुआ। कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा।इधर राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश जारी है।

यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

सूरज कुमार पटेल ने किया टॉप

रिजल्ट की घोषणा लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में की गई, जहां यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्य मंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहे।

एजेंसी

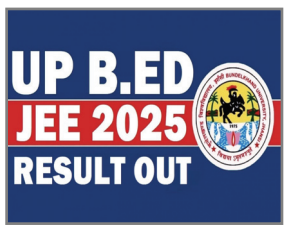

लखनऊ। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी की तरफ से मंगलवार को उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी कर दिया है। मिजार्पुर के सूरज कुमार पटेल ने साइंस स्ट्रीम से 362.66 अंक हासिल करके राज्यभर में पहला स्थान हासिल किया है।सभी अभ्यर्थी अपना स्कोरकार्ड बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर रोल नंबर डालकर देख सकते हैं। काउंसिलिंग शेड्यूल शीघ्र जारी होगा।रिजल्ट घोषित होने के बाद अब बीएड संस्थानों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

दिल्ली में बारिश से सड़कों पर भरा पानी, कई इलाकों में ट्रैफिक जाम

बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर बनी जलभराव की स्थिति.

एजेंसी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है. लोगों को बारिश की वजह से बीते कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से राहत मिली है. लेकिन, इस झमाझम बारिश के बाद राजधानी के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिला, जिससे दिल्लीवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है. वहीं, जलभराव की वजह से सड़कों पर जाम भी देखा गया. दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर भारी जल भराव देखने को मिला. खासकर, धौला कुआं से एयरपोर्ट और गुरुग्राम की ओर जाने वाली एनएच-48 पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया. ट्रैफिक के चलते वाहन सड़क पर रेंगते हुए नजर आए. इस दौरान लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा. दिल्ली कैंट अंडरपास में भी भारी जलभराव दिखा, जहां पहले भी बारिश के समय पानी भरने की घटनाएं सामने आ चुकी है.ट्रैफिक की गति बेहद धीमी: दिल्ली के महिपालपुर और बसंत गांव जैसे इलाकों में भी भारी जलभराव देखा गया, जिससे एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा.

भाजपा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का मांगा इस्तीफा

भाजपा नेता ने कहा कि श्रेय लेने के लिए इस सरकार ने गड़बड़ी की और 11 लोग मारे गए, फिर भी सरकार ने अपनी गलती नहीं मानी। हम उन्हें सबक सिखाना चाहते हैं। सीएम और डिप्टी सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा

एजेंसी

कर्नाटक भाजपा ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में हुई मौतों के लिए फ्रीडम पार्क में शोक सभा आयोजित की और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने फ्रीडम पार्क में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में हुई मौतों पर शोक सभा और विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कर्नाटक विधान परिषद के नेता और भाजपा एमएलसी चालावाडी नारायणस्वामी ने कहा कि आरसीबी ने (आईपीएल) मैच जीता और लोग इसका आनंद ले रहे थे।

चुनौती | भाजपा को दी बड़ी चुनौती

सिद्धारमैया ने बेंगलुरु भगदड़ विरोध को लेकर विपक्ष पर किया पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। जिस दिन भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, उस दिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार करते हुए भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए इस त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने कड़े शब्दों में दिए गए बयान में भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें। सिद्धारमैया ने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें। चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जो हुआ वह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना है। एक जिम्मेदार सरकार के रूप में, हमने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। हमने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला कर दिया है। मेरे राजनीतिक सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। सीएम ने कहा कि ऐसे निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है। यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तो उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

यही कारण है कि हम राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का फायदा नहीं उठाते हैं।

सिद्धारमैया ने कड़े शब्दों में दिए गए बयान में भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

तेजस्वी का आरोप, मुख्यमंत्री का नियंत्रण नहीं, नीतीश सरकार में 50% मंत्री वंशवादी

आरजेडी नेता ने नीतीश कुमार द्वारा बढ़ावा दी जा रही पारिवारिक राजनीति को उजागर करने के लिए जमाई आयोग के गठन का आह्वान किया। तेजस्वी ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस द्वारा दिए गए नागरिक सम्मान के बारे में बात की।

एजेंसी

नयी दिल्ली।आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एनडीए नेताओं के रिश्तेदारों को प्रमुख पद दे रही है। उन्होंने एनडीए नेताओं के रिश्तेदारों को खुश करने के लिए एक अलग जमाई आयोग के गठन का सुझाव दिया। हाल ही में तेजस्वी ने मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया था कि बिहार सरकार ने एनडीए नेताओं के दामादों को प्रमुख पद दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार में 50% मंत्री वंशवादी हैं। आरजेडी नेता ने नीतीश कुमार द्वारा बढ़ावा दी जा रही पारिवारिक राजनीति को उजागर करने के लिए जमाई आयोग के गठन का आह्वान किया।

तेजस्वी ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस द्वारा दिए गए नागरिक सम्मान के बारे में बात की। उन्होंने कहा, वे भारत के प्रधानमंत्री हैं। शायद इसीलिए उन्हें यह सम्मान मिल रहा है। लेकिन देश की वास्तविक स्थिति के बारे में बात करें, यहां बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ती कीमतें हैं।

सम्पादकीय

नरमी का हकदार नहीं होता शत्रु, दंडित करना जरूरी

ऐसा नहीं है कि जब-जब हमने एक सहज सामरिक बुद्धि से काम लिया तब-तब उसका लाभ न मिला हो पर हम पुराने अनुभवों से सीख नहीं लेते या उन्हें याद नहीं रखते। 1965 में पाकिस्तान ने घुसपैठिए भेजकर कश्मीर हथियाने का प्रयास किया। उसका मानना था कि हम कश्मीर में ही एक रक्षात्मक युद्ध लड़ेंगे पर जनरल हरबख्श सिंह सेना लेकर लाहौर तक जा पहुंचे। ईरान के विरुद्ध इजरायल की सैन्य कार्रवाई आपरेशन राइजिंग लायन ने आपरेशन सिंदूर का स्मरण करा दिया। भारत का आपरेशन स्थगित है, इजरायल का जारी है। भारत-पाकिस्तान के बीच सौ घंटे से भी कम चले सैन्य संघर्ष पर विराम की चर्चा भी जारी है। आपरेशन सिंदूर के तहत छह मई की रात अपने पहले वार में हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान में नौ बड़े आतंकी अड्डों समेत कई ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें दर्जनों जिहादी मारे गए। पाकिस्तान के अंधाधुंध, पर व्यर्थ कर दिए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के जवाब में भारत ने उसके 11 वायुसैनिक अड्डे और लाहौर एवं स्यालकोट स्थित हवाई रक्षा प्रणाली बर्बाद की और उसके कई लड़ाकू विमान ध्वस्त किए। आपरेशन सिंदूर के तहत यह तय किया गया था कि हम केवल आतंकी ठिकानों पर निशाना साधेंगे और वह भी सावधानी एवं जिम्मेदारी से, बिना उसकी सेना को निशाना बनाए, ताकि बात न बढ़े। यह क्या बताता है हमारी मनःस्थिति के बारे में और इससे हम शत्रु को क्या संदेश देते हैं? क्या हम इस भ्रम में थे कि पाकिस्तान हमारी इस सदाशयता को समझेगा। क्या हम नहीं जानते थे कि हम अपना हाथ कितना भी रोकें, वह पलटवार करेगा ही? क्या हमने यह सोचा था कि अगर हम उसकी सेना को नहीं छेड़ेंगे तो वह भी हमारी सेना को निशाना नहीं बनाएगा? जब हमने बालाकोट पर चढ़ाई की थी तो पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली मुंह दिखाने लायक नहीं रही थी। इस बार शत्रु को पता था कि अब भारत के सामने उसकी सीमाओं के भीतर घुसने की कोई मजबूरी नहीं है। हमारी सेनाएं सैकड़ों किमी दूर से ही दृष्टि से परे ठिकानों को निशाना बनाने में समर्थ हैं। हमें भी पता था कि पाकिस्तान के पास ऐसी क्षमता आ गई है कि वह हमारे लिए चुनौती बन सकती है। युद्ध का सर्वसम्मत नियम है-सबसे पहले शत्रु की प्रतिरक्षा और जवाबी हमले की प्रणाली कुंद करना। इजरायल ने यही किया और उसने पहले ही वार में ईरान के कई जनरल ढेर कर दिए, लेकिन शायद हमने इस सर्वमान्य नियम पर अमल करना आवश्यक नहीं समझा। जब 1947 में पाकिस्तानी सेना कबाइलियों के रूप में कश्मीर पर चढ़ दौड़ी थी तो नेहरू जी ने उस हमले को तूल न देने और जिम्मेदार दिखने की चाहत में सेना के हाथ बांध दिए थे। सीमा पार उन जगहों पर सेना को कोई कार्रवाई नहीं करने दी गई

आज का विचार

लाखों सपने साकार करेगी वंदे भारत, राष्ट्र का भी होगा विकास

कश्मीर की वादियों तक पहुंची रेललाइन केवल पटरियों का जोड़ नहीं है। यह असमान अवसरों को समान मंच पर लाने की एक मौन क्रांति है। यह उस अंतसंबंध को भी पुनर्स्थापित करती है जिसमें भारत का हर कोना एक-दूसरे से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के साथ ही जैसे घाटी की खिड़कियां खुल गई हैं।

पा गरिमा गुप्ता और दुष्यंत कुमार राय।

पहलगाम में भारत की सामूहिक चेतना पर एक गहरे, दर्दनाक आघात और उसकी पीड़ा के बीच पिछले दिनों जब कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस की सीटी गूंजी तो यह मात्र एक ट्रेन की उद्घोषणा नहीं थी। यह कश्मीर घाटी में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र का साक्षात रूप था। प्रधानमंत्री की ओर से कटड़ा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाना बस एक रेलगाड़ी के संचालन के शुभारंभ का नहीं। यह उस वंचित और आहत भू-भाग के पुनः भारत की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रतीक है, जिसकी घाटियां अनुच्छेद 370 हटने के पूर्व वर्षों तक न केवल भौगोलिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी देश के शेष भाग से कटी थीं। कश्मीर तक रेल पहुंचना केवल भौगोलिक नहीं, सांस्कृतिक, शैक्षिक और मानसिक दूरी को पाटने का राष्ट्रीय प्रयास है। दर्जनों सुरंगों और पुलों से गुजरती इस रेललाइन पर स्थित टी-49 सुरंग भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग है, जो करीब 13 किमी लंबी है। चिनाब नदी पर बना रेल पुल तो विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह पुल मात्र स्टील और कंक्रीट का ढांचा नहीं, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल की अद्वितीय उपलब्धि है। यह बदलते भारत की संकल्पशक्ति और सामर्थ्य का परिचायक है। इसके माध्यम से अब प्रत्येक नागरिक तक पहुंच को लक्ष्य बनाया गया है, चाहे वह पर्वतीय भू-भाग में स्थित हो या दिल्ली से दूर किसी सीमांत गांव में। 2024 में भारत सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू- कश्मीर से साठ हजार से अधिक छात्र उच्च शिक्षा के लिए राज्य के बाहर गए। इनमें आधे से अधिक पंजाब और दिल्ली के आसपास गए। ये छात्र कई बार मौसमी अवरोधों और असुरक्षित सड़क मार्ग का सामना करते थे। पिछले कुछ वर्षों में मौसम की मार के कारण सड़क परिवहन प्रतिवर्ष औसतन महीने भर से अधिक बंद रहा। ये बंद राजमार्ग विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा और समग्र शैक्षिक प्रवाह को बाधित करते हैं। यह देखा गया है कि सामाजिक असमानता की पहली रेखा स्कूल की चौखट पर खिंचती है। आवागमन की समस्या गंभीर हो तो, अभिभावक बच्चों को पढ़ने के लिए भेजने से कतराते हैं। लड़कियों का शिक्षा के लिए संघर्ष तो और कठिन हो जाता है। हरियाणा के नूंह जिले जैसे उदाहरण बताते हैं कि जहां स्कूल तक पहुंचना कठिन होता है, वहां महिला और पुरुष साक्षरता में अंतर बहुत बड़ा होता है। कश्मीर जैसे दुर्गम क्षेत्र में जहां जलवायु और सुरक्षा दोनों ही चुनौतीपूर्ण हैं, वहां सुगम, तीव्र और सुरक्षित रेल यात्रा की व्यवस्था पर्यटन, व्यापार और अन्य सुविधाओं के साथ शिक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना है। इसका प्रभाव यह होगा कि अब किसी छात्र-छात्रा को विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए अवरोधों से नहीं जूझना होगा। यह रेल-सेवा महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी क्रांतिकारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना शिक्षा को केवल ह्यकक्षाह्ल तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र तक विस्तार देती है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के विशेष प्रयास से जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई ज्ञानोदय एक्सप्रेस जैसी पहल में भागीदार बनीं जम्मू-कश्मीर की कई छात्राओं ने स्वीकार किया था कि वह उनकी पहली रेल यात्रा थी। वे रेलगाड़ी में सवार होकर बाहर निकलीं, नए शहरों, विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों और पुस्तकालयों को देखा। यह एक प्रकार की बौद्धिक मुक्ति थी, जिसकी राह अब वंदे भारत जैसी रेल सेवाएं और सुगम कर रही हैं। छात्र-छात्राओं को भारत की विविधता से रूबरू कराना केवल सांस्कृतिक सजगता का निर्माण नहीं करता, बल्कि यह उन्हें नागरिकता के उस भाव से जोड़ता है, जिसमें वे अपने को न केवल कश्मीर की, बल्कि पूरे भारत की संतान समझते हैं। कश्मीर की वादियों तक पहुंची रेललाइन केवल पटरियों का जोड़ नहीं है। यह असमान अवसरों को समान मंच पर लाने की एक मौन क्रांति है। यह उस अंतसंबंध को भी पुनर्स्थापित करती है, जिसमें भारत का हर कोना एक-दूसरे से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के साथ ही जैसे घाटी की खिड़कियां खुल गई हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ियों के उस पार अब केवल बंकर नहीं, पुल हैं। अब संदेह को पीछे छोड़ती अनंत संभावनाएं हैं। भय नहीं भरोसा है। अब कश्मीर विकास की रोशनी है- और यही भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक और नैतिक जीत है। यह रेल यात्रा घाटी को उसकी पुरानी निष्क्रियता से मुक्त कर एक गतिशील भविष्य की ओर ले जा रही है। यह हमारे समय का वह निर्णायक क्षण है, जहां शिक्षा, समानता, संचार और सुरक्षा एक साथ रेल की पटरियों पर दौड़ रहे हैं और उनके साथ संवर रहे हैं, लाखों सपने।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपका उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रह सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में नुकसान का सामना करना पड़ सकता है. विरोधी वर्ग सक्रिय होंगे. परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं. पत्नी से वाद विवाद हो सकता है

वृषभ राशि: आज आप अपने स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे. किसी विशेष बात को लेकर आप आज मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में कोई नया कार्य आज शुरू न करें. व्यापार में कोई बड़ा जोखिम न उठाएं. परिवार में पत्नी से मतभेद हो सकते हैं. भाई भतीजे से किसी बात को लेकर विवाद बन सकता है.

मिथुन राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा. कोई रुका हुआ पुराना काम आज पूरा होगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा. व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. कोई नया कार्य आज आप शुरू कर सकते हैं. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा. आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा. किसी धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं. कोई व्यक्ति विशेष से मिलना होगा, जिससे आगामी समय में लाभ के योग बनेंगे. आप व्यापार-व्यवसाय में कोई नया काम शुरू कर सकते हैं. कोई बड़ी डील या पार्टनरशिप आज आपको मिल सकती है. परिवार में अपनों का सहयोग मिलेगा. मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी.

सिंह राशि : आज आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा. स्वास्थ्य को लेकर परिवार में कुछ परेशानियां महसूस होंगी. व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी लोगों से वाद विवाद हो सकता है, जिस कारण व्यापार में नुकसान के चांस है.

कन्या राशि : आज का दिन आपका अच्छा रहने वाला है. सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे. स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा. किसी अपने से मिलना होगा. परिवार में कोई सुख समाचार प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय में रुका हुआ कार्य पूर्ण हो सकता है.

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा. आप नौकरी आदि के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभलकर रहें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में कोई सुखद समाचार प्राप्त होगा.

वृश्चिक राशि : आज आपका कहीं अपने परिवार के साथ बाहर जाना हो सकता है. परिवार के लोगों के साथ आज का समय अच्छा बीतेगा. आज कोई बड़े काम का ऑफर आपको मिल सकता है, जिस कारण घर में प्रसन्नता का माहौल रहेगा.

धनु राशि: आज आप कोई बड़ा काम शुरू न करें. नहीं तो हानि उठाना पड़ सकती है. विशेषकर कर्ज से बचें. स्वास्थ्य को लेकर कुछ समस्याएं उत्पन्न होंगी. पत्नी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. व्यापार में सहयोगी लोगों के साथ छोड़ने से धन हानि होगी. परिवार में कोई नया मेहमान आएगा.

मकर राशि : आज आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं साथ ही स्वास्थ्य में आज आपको लाभ महसूस होगा. व्यापार-व्यवसाय में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. आपको कोई बड़ा काम कार्यक्षेत्र में आज मिल सकता है. नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है.

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शुभ सूचक होगा। परिवार में पुत्र आदि का जॉब लग सकती है. कोई सुखद समाचार आज आपको मिलेगा. स्वास्थ्य में कुछ नरमी रहेगी. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा. साथ ही मित्र और परिवार के लोगों का आर्थिक सहयोग आज आपको मिल सकता है. कोई नया वाहन और भवन खरीद सकते हैं.

मीन राशि : आज आप ससुराल पक्ष से आर्थिक मदद प्राप्त कर सकते हैं. पत्नी से मतभेद दूर होंगे. साथी कोई नई खुशखबरी आपको मिल सकती है. परिवार में माहौल आपके पक्ष में रहेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आधुनिकता से बिखरते परिवार, त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

संजीव ठाकुर

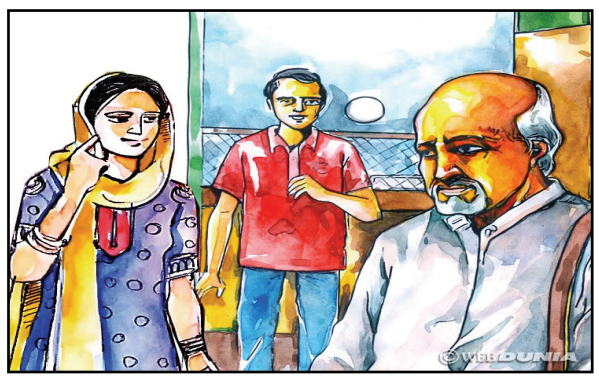

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका हैबुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका हैमहिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई हैबुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैउल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैदेश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैकरोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंइसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीभारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निदेर्शों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी हैसैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैंहमें कोविड-19 के आतंक के साए को भी नहीं भूलना चाहिए हमे लगातार सावधानी रख कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड-19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरूआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड-19 की तीसरी लहर के आंकड़े डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी है

अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है

दिल्ली ,मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई से कोविड-19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया, लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड-19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय,मलेशिया,थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, अर्जेंटीना,अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम,असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड-19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी।

24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह निर्यत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल, टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निमार्ता, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े-बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया ।यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी । लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया , अब कोविड-19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है।

मर्दान वीरांगना थी झांसी वाली रानी

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

काशी में जन्मी, विठूर में पली बढ़ी, झांसी में रानी का पद प्राप्त करने वाली लक्ष्मी बाई का जीवन संघर्षों की कहानी हैं। सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से टक्कर लेने वाली और ग्वालियर में अंग्रेजों से ही युद्ध करते हुये प्राणोत्सर्ग करने वाली वीरांगना लक्ष्मी बाई का साहस और व्यक्तित्व उनके हर कार्य में छलकता था। सन् 1853 ई. में गंगाधर राव की मृत्यु हो जाने पर रानी को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।एक ओर सदाशिव राव भाऊ अपने को झांसी की गद्दी का असली उत्तराधिकारी होने का दावा कर रहे थे, तो दूसरी ओर पड़ोसी राज्य ओरछा की लड़ाई में सरकार झांसी राज्य हड़पने की योजना बना रही थी, ऊपर से अंग्रेजों की गिद्ध दृष्टि भी झाँसी पर लगी हुई थी। रानी लक्ष्मी बाई तीनों ओर से घिरी हुई थी। अंग्रेजों ने राजा रानी द्वारा गोद लिये - बालक दामोदर राव को उत्तराधिकारी स्वीकार नहीं किया। झाँसी की सेना अव्यवस्थित थी, युद्ध का सामान नहीं था। रानी के चारों ओर भयावह स्थिति थी। ऐसी विषम परिस्थितियों में लक्ष्मी बाई ने बड़े धैर्य और साहस से कार्य किया।उन्होंने अपने चारों ओर मंडराते हुये युद्ध के बादलों को छितराने के लिये युद्ध सामग्री को एकत्रित किया। पहली बार रानी लक्ष्मी बाई ने स्त्रियों को युद्ध की शिक्षा देकर उनका अलग से सैन्य दल बनाया। सेना सुव्यवस्थित होते ही रानी ने सदाशिवराव पर आक्रमण कर उसे पराजित किया। ओरछा राज्य के सेनापति को युद्ध के मैदान से भगाया। वह अंग्रेजों से जा मिला किंतु रानी ने इसकी चिंता नहीं की। अंग्रेजों की दृष्टि पहले से ही झाँसी पर लगी हुई थी। जब अंग्रेजों ने अपने मित्र राज्य ओरछा की सेना की पराजय सुनी तो वे चौकन्ने हो गये। यह ऐसा था जब देश में अंग्रेजों के विरोध में आग सुलग रही थी। बिठूर में नाना साहब पेशवा और तात्या टोपे अंग्रेजों से लोहा ले रहे थे अतः उद्देश्य एक था, अतः दोनों ही एक दूसरे की मुसीबत के समय सहायता को हमेशा तत्पर थे। रानी ने मर्दन सिंह को लिखे एक पत्र में लिखा था कि-₹ विदेशियों का शासन भारत वर्ष में नहीं होना चाहिये। मर्दन सिंह ने भी रानी के विचारानारूप उनका तब तक साथ दिया जब तक कि वे जेल के सीखंचों के बाहर रहे ।रोज की सेना के आगे मर्दनसिंह टिक नहीं सके। वे भागकर वसोदिया चले गये। रोज ने वहाँ भी आक्रमण कर दिया। मर्दनसिंह को यहाँ से भी भागना पड़ा। ह्यूरोज विद्रोहियों कोर्ट हराता हुआ सागर पहुँचा।

सागर से उसने झांसी के लिये कूच किया। रास्ते में उसने मर्दनसिंह और बखतवली को हराते हुये बानपुर पर भीषण आक्रमण किया। वहाँ से झाँसी की ओर बढ़ा। जनरल गेर के साथ ह्यूरोज अपनी सशस्त्र सेना के साथ झाँसी पहुँचा। झाँसी के किले को उसने चारो ओर से घेर लिया। ऐसी विषम स्थिति में रानी ने तात्या टोपे को सहायता के लिये पत्र लिखा। इस समय तक मर्दनसिंह और बखतबली भागकर कालपी गये थे। झाँसी की ओर प्रस्थान करने के लिये तात्या टोपे नाना साहब से अनुमति प्राप्त कर बाईस हजार सैनिकों के साथ झांसी की ओर बढ़े, किंतु वह कुछ समय के लिये चरखारी में उलझ गये। वहाँ से चलकर तात्या टोपे ने मऊ में मुकाम किया। यहाँ से उसने झांसी की स्थिति का पता लगाकर युद्ध की घोषणा की। किंतु यह सेना झांसी तक नहीं पहुँच पाई। ह्यूरोज की सेना ने तात्या टोपे की सेना को झांसी के बाहर ही हटा दिया। अंग्रेजी सेना ने झांसी के किले में बार बार आक्रमण कर झांसी पर कब्जा कर लिया।रानी को झांसी को छोड़ने पर बाध्य होना पड़ा। ह्यूरोज को झांसी पर कब्जा करने के लिये वीरांगना लक्ष्मी बाई के साथ कठिन संघर्ष करना पड़ा था। उसने रानी की रणनीति, वीरता, युद्ध संचालन की बड़ी प्रशंसा की है। वहीं अंग्रेजों से अपने को बचाती हुई रानी कालपी पहुँच गई। कालपी में रहकर रानी ने पुनः सैन्य संगठन और युद्ध करने की योजना बनाई। ह्यूरोज भी मौन नहीं बैठा था। उसने एक भारी सेना कालपी पर अधिकार करने के लिये भेज दी।

रत्नागिरी, पुणे, सतारा, कोल्हापुर, सिंधुदुर्ग में भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

महाराष्ट्र पर मॉनसून मेहरबान हो गया है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रत्नागिरी, पुणे घाट, सतारा घाट, कोल्हापुर घाट, सिंधुदुर्ग जिलों के लिए अगले 24 घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।राज्य में पिछले 24 घंटों में मुंबई उपनगरीय जिले में 83.4 मिमी बारिश हुई है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र पर मॉनसून मेहरबान हो गया है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रत्नागिरी, पुणे घाट, सतारा घाट, कोल्हापुर घाट, सिंधुदुर्ग जिलों के लिए अगले 24 घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटों में (17 जून 2025 की सुबह तक) मुंबई उपनगरीय जिले में 83.4 मिमी बारिश हुई है। जबकि ठाणे जिले में 73.7 मिमी, मुंबई शहर में 62.9 मिमी, रायगढ़ में 54.1 मिमी और पालघर जिले में 49.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है।आज 17 जून सुबह तक राज्य में औसत वर्षा के आंकड़े इस प्रकार हैं (सभी आंकड़े मिलीमीटर में):- ठाणे 73.7, रायगढ़ 54.1, रत्नागिरी 47.7, सिंधुदुर्ग 12.7, पालघर 49.7, नासिक 7.7, धुले 7.1, नंदुरबार 4, जलगांव 6.7, अहिल्यानगर 1.1, पुणे 11.9, सोलापुर 0.9 मिलीमीटर बारिश हुई। सतारा 19.7, सांगली 6, कोल्हापुर 17.8, छत्रपति संभाजीनगर 0.6, जालना 0.1, बीड 0.7, लातूर 0.1, धाराशिव 1.6, नांदेड़ 3.6, परभणी 1.7, हिंगोली 3.6, बुलढाणा 3.5, अकोला 8.7, वाशिम 8.5, अमरावती 9.4, यवतमाल 8.7, वर्धा 7.6, नागपुर 0.9, गोंदिया 0.2, चंद्रपुर 11.9 और गढ़चिरौली जिले में 5.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

अजित पवार से कोई तालमेल नहीं... शरद पवार ने चंद शब्दों में खत्म की बात, दादा के लिए झटका?

पिछले कुछ महीनों से चर्चा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो धड़े एक साथ आएंगे। चाचा-भतीजे का फिर से मिलन होगा। शरद पवार और अजित पवार अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ नजर आते रहे हैं। अब इस पर शरद पवार ने अहम बयान दिया है। जो लोग बीजेपी के साथ गए हैं, उन्हें साथ नहीं लिया जा सकता।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पिछले कुछ महीनों से ये चर्चा चल रही है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुट साथ आएंगे और शरद पवार और अजित पवार के बीच सुलह होगी। इस पर शरद पवार ने अब साफ कर दिया है कि वो बीजेपी के साथ गए लोगों को साथ नहीं ले सकते। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड में कार्यकताओं की एक मीटिंग में ये बात कही। उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोई सत्ता के लिए बीजेपी के साथ जाने की बात करता है, तो ये राष्ट्रवादी कांग्रेस का विचार नहीं है।

शरद पवार ने क्या कहा?

शरद पवार ने पिंपरी-चिंचवड में एनसीपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के एक होने पर बात की। उन्होंने कहा कि सबको साथ लेने में कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन 'सब' का मतलब क्या है? 'सब' का मतलब गांधी, नेहरू, चव्हाण, फुले, शाहू और आंबेडकर के विचारों को मानने वाले लोग हैं, तो उन्हें ये मंजूर है। उन्होंने अजित पवार का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा जो उनके नेतृत्व में सरकार में शामिल हुए हैं।

भतीजे के लिए शरद पवार ने किया इस शब्द का इस्तेमाल

शरद पवार ने अजित पवार के लिए 'संधीसाधू' शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई सत्ता के लिए बीजेपी के साथ जाकर बैठता है, तो ये उनकी पार्टी का विचार नहीं है। आप किसी से भी संबंध रखें, लेकिन बीजेपी से संबंध विचारों में नहीं हो सकता। हमें अवसरवादी राजनीति को बढ़ावा नहीं देना है। हमें उसी दिशा में कदम उठाने हैं।

अजित पवार क्या बोले?

जब शरद पवार ने अजित पवार की एनसीपी के साथ जाने से इनकार कर दिया, तो अजित पवार से इस बारे में पूछा गया। उन्होंने जवाब दिया कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। उन्होंने एक वाक्य में जवाब देकर बात खत्म कर दी। शरद पवार ने साफ कहा है कि वो इखढ के साथ गए लोगों को वापस नहीं लेंगे। उन्होंने पिंपरी-चिंचवड में कार्यकताओं से बात करते हुए ये बात कही। इसका मतलब है कि शरद पवार और अजित पवार के बीच सुलह की उम्मीद कम है।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर दो सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 02200/02199 बांद्रा टर्मिनसझ्रवीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनसझ्रवीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 05.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 05 जुलाई से 27 सितंबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसीझ्रबांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 16.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 जुलाई से 25 सितंबर 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, बियावरा राजगढ़, चचौरा बीनागंज, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, डबरा और दतिया स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

2. ट्रेन संख्या 04126/04125 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 11.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17.00 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 08 जुलाई से 30 सितंबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को सूबेदारगंज से 05.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 07 जुलाई से 29 सितंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं। हालांकि, 08 जुलाई 2025 की ट्रेन संख्या 04126 और 07 जुलाई 2025 की ट्रेन संख्या 04125 में केवल एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 02200 एवं 04126 की बुकिंग 19.06.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राम और श्याम ने पुणे में शादी की, अनोखे फोटोशूट की खूब हो रही चर्चा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे शहर में दो लड़कों ने शादी कर ली है। उनका अनोखा फोटोशूट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस शादी की कहानी बेहद खास है। क्योंकि वे समलैंगिक जोड़े हैं। उन्होंने समाज को एक नई सोच दी है।

दरअसल श्रीराम श्रीधर और श्याम कोन्नूर ने शादी कर ली है। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। इन तस्वीरों को देखकर कई लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। हर जगह उनकी शादी की चर्चा हो रही है।

राम और श्याम ने पारंपरिक तरीके से शादी की। उन्होंने धोतीर-कुर्ता पहना था। उनके सिर पर फूलों की माला थी। उनकी तस्वीरें देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्होंने किसी पुरानी रस्म में हिस्सा लिया है।श्रीराम श्रीधर और श्याम कोन्नूर ने पुणे में शादी की और अपने प्यार की एक अनोखी और प्रेरणादायक कहानी रची। फिलहाल, उनकी शादी का यह खूबसूरत फोटोशूट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पश्चिम रेलवे के 14 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 14 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी मई 2025 माह के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 14 कर्मचारियों में वडोदरा मंडल से 4, भावनगर मंडल से 3, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद एवं रतलाम मंडल से 2-2 तथा राजकोट मंडल से 1 कर्मचारी शामिल हैं।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री मिश्र ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि रेल एवं ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, चलती ट्रेन में ब्रेक बाइंडिंग या लटकती वस्तुओं को चिन्हित करना, आपातकालीन ब्रेक लगाकर अप्रिय घटना को रोकना, कोच एवं पहियों में उत्पन्न धुएं का पता लगाना तथा मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया है।पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की

महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा 12 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना ने दिनांक 17.06.2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई में आयोजित एक समारोह में 12 मध्य रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया, जिसमें मुंबई मंडल के 6, पुणे मंडल के 3, भुसावल मंडल के 2 और नागपुर मंडल के 1 कर्मचारी शामिल हैं। संरक्षा पुरस्कार संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र, अनुकरणीय संरक्षा कार्य का प्रशस्ति पत्र और ? 2000/- का नकद पुरस्कार शामिल है।

पुरस्कार विजेताओं का विवरण

मुंबई मंडल

1. श्री विक्की कुमार, सीनियर ट्रेन मैनेजर, पनवेल, मुंबई मंडल, दिनक 13.05.2025 को खरबाओ-भिवंडी रोड सेक्शन पर ट्रेन नंबर 61021 वसई-दिवा मेमू पर ड्यूटी के दौरान, पास से गुजर रही मालगाड़ी से एक असामान्य आवाज सुनी और उसमें से धूल निकलती देखी। उन्होंने तुरंत खतरे के संकेत के साथ मालगाड़ी के ट्रेन मैनेजर को सचेत किया। ट्रेन को रोका गया और मालगाड़ी के ट्रेन मैनेजर द्वारा जांच करने पर पता चला कि ट्रेन पटरी से उतर गई (डीरेलमेंट) थी। श्री विक्की कुमार की सतर्कता और तत्काल कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में मदद की।2. श्री चांगदेव एस डुंगे, मास्टर क्राफ्ट्समैन, कुर्ला कारशेड, मुंबई मंडल, दिनांक 01.05.2025 को ड्यूटी के दौरान, उन्होंने देखा कि वाशी लोकल, यूनिट नंबर 2143 के पेंटोग्राफ का पैन टूटा हुआ और लटक रहा था। श्री डुंगे ने तुरंत कोच को अलग किया और इस तरह एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।3. श्रीमती मित्तल नरेंद्र गडलिंग, सहायक लोको पायलट, कुर्ला, मुंबई मंडल, दिनांक 08.03.2025 को दादर यार्ड में ड्यूटी पर थीं। लाइन-1 पर शंटिंग इंजन का प्रभार लेते समय, श्रीमती मित्तल ने देखा कि लगभग 10 मीटर का केटेनरी तार संपर्क तार पर लटक रहा था। उन्होंने तुरंत क्रू कंट्रोल को सूचित किया और इस तरह एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

4. श्री संदीप नाना भालशंकर, मास्टर क्राफ्ट्समैन (सी एंड डब्ल्यू), इगतपुरी, मुंबई मंडल, दिनांक 18.04.2025 को ड्यूटी पर रहते हुए, एक पीएनसीएस/बीसीएन मालगाड़ी के ब्रेक पावर परीक्षण के दौरान, बीसीएन वैगन में से एक केंद्र पिवट को अव्यवस्थित अवस्था में देखा। उनके अवलोकन और सतर्कता की गहरी समझ ने एक संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

5. श्री नीलेश शिंदे, जूनियर इंजीनियर (सी एंड डब्ल्यू), कलंबोली, मुंबई मंडल, दिनांक 08.05.2025 को ड्यूटी के दौरान मालगाड़ी की जांच के दौरान देखा कि एक पहिये में सिंगल एक्सल में 22 मिमी और एक पहिया फ्लैंज में 775 मिमी का अंतर है, जो दोनों निर्धारित सीमाओं से बहुत कम थे। उनके अवलोकन और सतर्कता की गहरी समझ ने संभावित दुर्घटना को टालने में मदद की।

6. श्री चंदन कुमार, ट्रैक मेंटेनर, विद्याविहार, मुंबई मंडल, दिनांक 09.05.2025 को ड्यूटी के दौरान विद्याविहार और घाटकोपर के बीच किलोमीटर 18/00 पर डायमंड क्रॉसिंग पर एक दरार देखी। उन्होंने तुरंत आवश्यक संरक्षा सावधानियां बरतीं और सभी संबंधितों को सूचित किया। उनकी सतर्कता और तत्काल कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में मदद कीआदि।

पुणे मंडल

7. श्री अभिषेक लोहिया, डिप्टी स्टेशन मैनेजर, निंबलक, पुणे मंडल दिनांक 03.05.2025 को ड्यूटी पर थे, जब एक गुजरती मालगाड़ी के साथ सिग्नल का आदान-प्रदान हो रहा था, तो 7वें वैगन से एक असामान्य आवाज आई। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया। ट्रेन को अगले स्टेशन पर रोका गया और जांच में उक्त वैगन के एक पहिये में 90 मिमी का फ्लैट टायर पाया गया। श्री लोहिया की सतर्कता और तत्काल कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

8. श्री अभिचंद्र यादव, लोको पायलट (माल), लोनावला, पुणे मंडल, ने मालगाड़ी का प्रभार संभालने के बाद, लोको के नियमित निरीक्षण के दौरान देखा कि लोको के पहिए नंबर 4 के पास सेकेंडरी सस्पेंशन आउटर हेलिकल स्प्रिंग टूटी हुई स्थिति में थी। उन्होंने तुरंत सभी संबंधितों को सूचित किया और लोको को अनफिट घोषित कर दिया। श्री यादव की सतर्कता और तत्काल कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में मदद की।

9. श्री संदीप पवार, निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, पुणे, पुणे मंडल, दिनांक 09.05.2025 को दोपहर 12.15 बजे सूचना मिली कि पिंपरी स्टेशन के पास कुछ संदिग्ध वस्तुएँ रखी हैं। अन्य सहकर्मियों के साथ तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करने पर 25 मीटर दूर पास की झाड़ी में मिट्टी में गड़ा हुआ 11 पुराना गोला-बारूद मिला, जिसे बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। श्री पवार की सतर्कता से संभावित अप्रिय घटना टल गई।

भुसावल मंडल

10. श्री उदय प्रताप पटेल, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (पीवे), बोडवाड, भुसावल मंडल, दिनांक 09.04.2025 को मलकापुर स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान गुजर रही एक मालगाड़ी के 16वें वैगन को असामान्य स्थिति में देखा। उन्होंने तत्काल सभी संबंधितों को सूचित किया। ट्रेन को तत्काल रोका गया और निरीक्षण में पता चला कि उक्त वैगन का ईएम पैड पिघला हुआ था, अगले पहिये का ब्रेक पैड गायब था और अगला एक्सल टेढ़ा था। उनकी सतर्कता के कारण संभावित दुर्घटना टल गई।

11. श्री दर्शन राजेश चंदन, पॉइंट्समैन, गाईगांव, भुसावल मंडल, दिनांक 19.05.2025 को ड्यूटी पर थे, जब एक गुजरती मालगाड़ी के साथ सिग्नल का आदान-प्रदान हो रहा था, तभी 42वें वैगन पर एक हॉट एक्सल दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत सभी सी को सूचित किया। ट्रेन को पारस स्टेशन पर रोका गया जहां वैगन को अनफिट घोषित किया गया। उनकी सतर्कता और तत्काल कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में मदद की।

नागपुर मंडल

12. श्री एम पी देव, लोको पायलट (मेल), नागपुर, नागपुर मंडल, दिनांक 30.03.2025 को ट्रेन नंबर 22691 बेंगलुरु-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में ड्यूटी के दौरान मुलताई-जौलखेड़ा सेक्शन पर रफ राइडिंग अनुभव किया। ट्रेन को आईबीएच सिग्नल पर रोका गया और सभी संबंधितों को सूचित किया गया। निरीक्षण में पता चला कि रेल ट्रैक में गंभीर दोष हैं। उनकी सतर्कता और तत्काल कार्रवाई ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में मदद की।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए और उनके कर्तव्यों के प्रति उनकी सतर्कता और समर्पण की सराहना करते हुए, महाप्रबंधक ने कहा कि सतर्कता और समर्पण के ऐसे कार्य दूसरों को यात्रियों की संरक्षा के लिए ईमानदारी से काम करने और जान, माल और रेलवे संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए प्रेरित करेंगे।

पश्चिम रेलवे बड़े जोश, उत्साह और धूमधाम से मनाएगा बांद्रा स्टेशन महोत्सव

यह महोत्सव इस शानदार स्टेशन के लगभग 160 गौरवशाली वर्षों का प्रतीक है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पश्चिम रेलवे अपने ऐतिहासिक उपनगरीय स्टेशन बांद्रा पर ऱस्टेशन महोत्सवऱ मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें कई आकर्षक गतिविधियाँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस भव्य उत्सव का उद्देश्य स्टेशन की समृद्ध विरासत, पिछले कुछ वर्षों में आए परिवर्तनों और इसके द्वारा बनाए गए स्थायी सार्वजनिक जुड़ाव को उजागर करना है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को मनाने के लिए जून और जुलाई, 2025 के महीनों में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हस स्टेशन महोत्सव में यात्रियों और आम जनता को शामिल करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। उत्सव का आधिकारिक उद्घाटन 20 जून, 2025 को होगा। इस अवसर पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा और साथ ही स्थानीय कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस महोत्सव के सिलसिले में बांद्रा स्टेशन को दिखने में खूबसूरत बनाने के लिए सौंदर्यीकरण किया गया है। श्री विनीत ने आगे बताया कि व्यापक सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतियोगिताएं और पहल जैसे कला और शिल्प प्रतियोगिता, व्लॉग मेकिंग प्रतियोगिता, बांद्रा का बैज बनाना, पुरानी यादें आदि आयोजित की जा रही हैं। कला और शिल्प प्रतियोगिता में रचनात्मक प्रस्तुतियाँ जैसे चित्र, पेंटिंग, डिजिटल कलाकृति और मिट्टी के मॉडल आमंत्रित किए गए हैं जो बांद्रा स्टेशन की विरासत के विषय पर केंद्रित रहेंगे। व्लॉग मेकिंग प्रतियोगिता, प्रतिभागियों को छोटे वीडियो के माध्यम से स्टेशन की विरासत और परिवर्तन के बारे में अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करने का अवसर देगी। इसके अलावा, ऱपुरानी यादेंऱ नामक पुरानी यादों से जुड़ी पहल की भी योजना बनाई गई है जो जनता को बांद्रा स्टेशन के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को याद करते हुए फोटो, वीडियो या वॉयस क्लिप साझा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इन तीनों आयोजनों के लिए प्रविष्टियाँ जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 है। चयनित प्रविष्टियाँ 13 जुलाई, 2025 को बांद्रा स्टेशन पर प्रदर्शित की जाएंगी और उन्हें पश्चिम रेलवे के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किया जाएगा। श्री विनीत ने बताया कि स्मारक उत्सव के एक हिस्से के रूप में 5 और 6 जुलाई, 2025 को एक विशेष ह्यलाइट एंड साउंड शोह्व और ह्यफोटो प्रदर्शनीह्व आयोजित की जाएगी। इसमें बांद्रा स्टेशन की ऐतिहासिक यात्रा और मुंबई के विकास में इसके योगदान को दशार्या जाएगा। प्रतिष्ठित हस्तियों और रेलवे के प्रति उत्साही लोगों के साक्षात्कारों की एक श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी, जिसमें बांद्रा स्टेशन के बारे में उनके विचार और यादगार अनुभवों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, स्टेशन की 160 साल की शानदार यात्रा के सम्मान में एक प्रतीक बनाने के लिए बैज-मेकिंग पहल की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम का समापन समारोह 27 जुलाई, 2025 को होगा, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे सभी नागरिकों, कला प्रेमियों, यात्रियों और इतिहास में रुचि रखने वालों को इस भव्य समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेने और मुंबई के सबसे प्रिय रेलवे स्टेशनों में से एक की विरासत को सम्मान देते हुए बांद्रा स्टेशन महोत्सवह्व को वास्तव में यादगार कार्यक्रम बनाने में मदद करने के लिए आमंत्रित करता है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति मुंबई मंडल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल - इंस्टाग्राम पर QR फॉर्म लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं या यह दफ कोड स्कैन कर सकते हैं। प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टियाँ ऑनलाइन साझा करते समय #StationMahotsav, #BandraStation और #HeritageMahotsav जैसे हैशटैग का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। न्यायाधीशों का एक प्रतिष्ठित पैनल प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा, और विजेताओं को रोमांचक पुरस्कार दिए जाएंगे।बांद्रा रेलवे स्टेशन मुंबई के बेहतरीन उपनगरीय रेलवे स्टेशनों में से एक है।इसकी रूफ लाइन पर 19वीं सदी की विशिष्ट वास्तुकला दिखती है। इस प्रकार, इसे महाराष्ट्र सरकार के 1995 के विरासत विनियमों में ग्रेड-क विरासत संरचना के रूप में अधिसूचित किया गया है। एक सदी से भी ज्यादा पुराना यह रेलवे स्टेशन, विक्टोरियन गोथिक और वर्नाक्यूलर शैली का एक बेहतरीन वास्तुशिल्प मिश्रण है, जो एक प्रमुख लैंडमार्क के रूप में खड़ा है। बांद्रा स्टेशन 28 नवंबर, 1864 को खोला गया था। हालाँकि, बांद्रा स्टेशन का शानदार विरासत वाला भवन 24 साल बाद 1888 में बनाया गया था।

नागपुर की एक फॉर्मा कंपनी में बड़ा धमाका, एक की मौत, छह लोग घायल

नागपुरः महाराष्ट्र के नागपुर जिले में मंगलवार को एक दवा कंपनी में बड़ा हादसा हुआ। भीलगांव में स्थित अंकित पल्प्स एंड बोर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, विस्फोट 'ग्लास-लाइन्ड रिएक्टर' में हुआ।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–टेंडर निविदा क्र :– **11-2025-NGP-TELE-PF Dt: 14.06.2025** कार्य का **नामः**– "मध्य रेलवे के नागपूर मंडल के बल्लारशाह, चंद्रपुर, पुलगांव, जुन्नारदेव, परासिया और अमला स्टेशनों पर सभी मेल एक्सप्रेस कोचों को समायोजित करने के लिए मौजूदा प्लेटफॉर्म के विस्तार के संबंध में दूरसंचार परिसंपत्तियों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य।" **अनुमानित लागतः**– Rs. 32,87,448.82/– **निविदा फार्म और दस्तावेज की लागतः**– 0.00/– **बयाना रकम** :– Rs. 65,800.00/– **निविदा बंद करने की तिथि तथा समयः** 08.07.2025 को 15.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी रेल्वे वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

ANJ/10/89 **Sr.DSTE/NGP**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति अधिष्ठापन परीक्षण कार्य

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण) बीआरसी द्वारा **निविदा सूचना क्र. : एस एवं टी/सी/बीआरसी/136/2025-26, दिनांक : 13.06.2025** आमंत्रित की जाती है. **स्थान के साथ कार्य का नाम** : पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के नाडियाड – पतलाड गेज परिवर्तन कार्य के संबंध में जीपीएस क्लॉक्स तथा नाडियाड–पतलाड – (38 किमी.) अनुभाग के बीच ई1 तथा ओएफसी कनेक्टिविटी, एक्सल काउंटर, यूएफएसबीआई, आईबीएस, एलसी गेट कम्युनिकेशन एवं इमरजेंसी कम्युनिकेशन, कंट्रोल कम्युनिकेशन हेतु इनडोर उपकरण तथा ओएफसी एवं क्वॉड केबल की ब्लोइंग, स्प्लाइसिंग, ज्वाइंटिंग, टर्मिनेशन, टेस्टिंग तथा क्वॉड केबल, प्रत्येक साइड 48x2 ओएफसी की ट्रेंचिंग, बिछाने सहित टेलीकॉम उपकरण (आईपीएमपीएलएस, वीओआईपी, आईपीआईएस) की आपूर्ति, अधिष्ठापन, परीक्षण तथा क्रियान्वयन. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 9,64,71,852.87/-. **ईएमडी** : रु. 6,32,400.00. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 09.07.2025 को 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 09.07.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. **0269**

Like us on : facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : जल अभियंता का विभाग

क्र. ई.ई. (एम.) एम. डब्ल्यू./1430/मेंटे. दि. 13.06.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त द्वारा पात्र बोलीकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. बोली आरंभिक तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय महाटेंडर पोर्टल और बी.एम.सी. की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग अंतर्गत विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है.

अ. क्र.	बोली क्र.	कार्य का नाम
1	2025_एमसीजीएम_1188578_1	एईडब्ल्यूडब्ल्यू (मेंटे.) डब्ल्यूएस/दक्षिण-II अनुभाग अंतर्गत विभिन्न जलाशयों में शिफ्ट आधार पर श्रमिक सेवाएं प्रदान करना. (निविदा जारी करने और बिक्री की तिथि – 17.06.2025)

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु **http://portal.mcgm.gov.in** पर बीएमसी वेबसाइट तथा http://mahatenders.gov.in पर महाटेंडर पोर्टल वेबसाइट का अवलोकन करें.

हस्ता./-
ई.ई. (एम) एम. डब्ल्यू.

पीआरओ/698/विज्ञा./2025-26

अगर आये हलका सा भी बुखार, तत्काल जाकर डॉक्टर से करें मुलाकात.

दिवा रेलवे स्टेशन से 150 मी. तक सड़क को फेरीवालों और यातायात जाम मुक्त किया जाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , दिवा स्टेशन पूर्व में यातायात जाम की समस्या गंभीर है और स्टेशन क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर बैठे फेरीवालों और बेलगाम रिक्शा चालकों के कारण नागरिकों का यहां से निकलना मुश्किल हो गया है। दिवा शहर में बसे अधिकांश नागरिक मध्यम वर्ग के हैं, इसलिए 90 प्रतिशत से अधिक नागरिक ट्रेन से यात्रा करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दिवा स्टेशन क्षेत्र में हमेशा भीड़ रहती है। दिवा रेलवे स्टेशन पर भीड़ और रेलवे क्षेत्र में छोटे-बड़े व्यवसाय करने वाले रिक्शा, बस और व्यापारियों के कारण इस स्थान पर हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसलिए माननीय उच्च न्यायालय ने इस संबंध में सख्त आदेश दिया है और मध्य रेलवे मार्ग पर सभी रेलवे स्टेशनों से 150 मीटर की दूरी पर फेरीवालों और यातायात मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए एक आदेश दिया गया है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, शिवसेना उप प्रमुख अधिवक्ता आदेश भगत ने दिवा स्टेशन क्षेत्र के 150 मीटर के भीतर फेरीवालों और अनियंत्रित रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है ताकि इसे फेरीवालों और यातायात से मुक्त रखा जा सके। साथ ही, दिवा स्टेशन पूर्व क्षेत्र में फ्लाईओवर के लिए बनाए गए अंतिम खंभे के पास की सड़क संकरी हो गई है। उस खंभे से दिवा चौक तक व्यवसाय करने वाले फेरीवालों को पीछे हटने का निर्देश दिया जाना चाहिए और वहां एक सड़क बनाई जानी चाहिए ताकि उस क्षेत्र में कोई यातायात न हो और नागरिकों को आने-जाने में कोई बाधा न हो, अधिवक्ता आदेश भगत ने यह भी मांग की है।

ठाणे सेंट्रल जेल में बनेगा शहीद क्रांतिकारियों का संग्रहालय : संजय केलकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विधायक संजय केलकर की पहल और संकल्पना पर ठाणे जेल में जल्द ही वहां के क्रांतिकारियों से संबंधित संग्रहालय बनाया जाएगा और दिवाली तक यह सभी के लिए खुल जाएगा। यह जानकारी विधायक संजय केलकर ने जानकारी दी। उन्होंने आज विशेषज्ञों के साथ जेल में जाकर संग्रहालय का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस संग्रहालय में एक बार फिर लोग ठाणे जेल के इतिहास को देख सकेंगे। इतिहास के विद्वान मकरंद जोशी ने इतिहास से संबंधित जानकारी दी है। मूर्तिकार वर्षा रेड्डी इस मूर्ति का निर्माण कर रही हैं। उन्हें इतिहास के शोधकर्ता पांडुरंग बलकावड़े का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। मंगलवार को विधायक केलकर ने इतिहास के विद्वान मकरंद जोशी, मूर्तिकार वर्षा रेड्डी और प्रज्ञा म्हात्रे के साथ जाकर संग्रहालय के काम का निरीक्षण किया। इसमें 1737 से 1947 तक के ठाणे मुक्ति संग्राम के इतिहास से संबंधित मूर्तियां बनाने का काम चल रहा है। उस कार्य के निरीक्षण के साथ-साथ ठाणे कलाप्रेमियों को कहां प्रवेश दिया जाए तथा प्रांगण पर क्रांतिकारियों की मूर्तियां कैसे स्थापित की जाएं, इस संबंध में जेल अधीक्षक रानी भोसले तथा संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। इस समय जोशी और अय्यर ने विधायक केलकर को यह भी बताया कि मूर्तियां कैसे स्थापित की जाएंगी तथा उन घटनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए विधायक केलकर के विधायक निधि तथा जिला नियोजन समिति के निधि से यह संग्रहालय बनाया जा रहा है। क्रांतिकारियों की मूर्तियां पांच फीट ऊंची स्थापित की जाएंगी। ठाणे जेल से पहले इस स्थान पर ठाणे किला था। इसलिए किले तथा जेल के इतिहास, पुर्तगालियों ने इस किले का निर्माण कैसे किया, मराठों ने इस पर विजय कैसे प्राप्त की, अंग्रेजों ने इसे जेल में कैसे परिवर्तित किया, इनसे संबंधित मूर्तियां वहां प्रदर्शित की जाएंगी। प्रत्येक मूर्ति के नीचे दो पंक्तियों में इतिहास लिखा जाएगा। ठाणे शहर में स्वतंत्रता आंदोलन की घटनाएं किस प्रकार घटित हुईं, यह सब इस प्रदर्शनी में देखा जा सकेगा। इस अवसर पर ठाणेकरों को पुराना फांसी द्वार भी देखने को मिलेगा। इसी जेल में राघोजी भांगरे और अनंत कन्हेरे को फांसी दी गई थी। वासुदेव बलवंत फड़के, राघोजी भांगरे, अनंत कन्हेरे और उनके साथियों, स्व. विनायक दामोदर सावरकर जैसे कई क्रांतिकारियों की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। ठाणे एक ऐतिहासिक शहर है, इस संग्रहालय के माध्यम से इस ऐतिहासिक स्मारक को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। ठाणे जेल और उसका पूर्व किला महत्वपूर्ण स्थल हैं। आम नागरिकों को इस इतिहास को देखने और उससे प्रेरणा लेने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से यह संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है।

फास्ट ट्रैक

खुटार में 48 घंटे में तीन जगह चोरी

एक मकान में सेंध लगाते जाग गया परिवार, खोखे से सामान और युवक की बाइक भी चोरी

शाहजहांपुर, खुटार थाना क्षेत्र में चोरों ने पिछले 48 घंटों में तीन अलग-अलग स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रुजहां गांव में सोमवार रात चोरों ने धीरेन्द्र सिंह के मकान में सेंध लगाने का प्रयास किया। परिवार के जाग जाने पर चोर मौके से फरार हो गए। बंडा रोड पर निर्मला देवी के किराना खोखे का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपये का सामान और सोलर पैनल ले उड़े। पास लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर कैद हो गए। पुलिस ने सोलर पैनल को बरामद कर लिया है। इसी दौरान गांव हरनाई में मुर्गी फार्म के पास से जयनरेश के बेटे की बाइक भी चोरी हो गई। तीनों घटनाओं में अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। एसएसआई सुभाष चंद्र के अनुसार रुजहां की घटना की कोई तहरीर नहीं मिली है। खोखे से चोरी हुए सामान में से सोलर पैनल बरामद कर लिया गया है। बाइक चोरी की शिकायत मिल गई है और मामले की जांच जारी है।

डाकखाना के सहायक पर 5 लोगों का हमला

लाठी-डंडों से पीटा, सरकारी दस्तावेज फाड़े; पुरानी रंजिश का मामला

शाहजहांपुर, निगोही डाकखाना के शाखा सहायक अजयपाल के साथ पांच लोगों ने मारपीट की। सोमवार शाम को अजयपाल डाक लेकर जा रहे थे। बाबर के पास पुलिया पर अनुज सिंह, गौरव सिंह, संतोष सिंह, आकाश सिंह और दिलीप ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से अजयपाल पर हमला किया। उनके पास तमंचे भी थे। हमले में अजयपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों ने सरकारी दस्तावेज भी फाड़ दिए। वे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने चीख-पुकार सुनकर पुलिस को सूचना दी। घायल अजयपाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों से पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में उन्होंने हमला किया। थाना निगोही पुलिस ने तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

मनपा आयुक्त अनधिकृत निमार्णों पर भी कार्रवाई करेंगे या फिर न्यायालय के आदेश का इंतजार करेंगे: विक्रांत चव्हाण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मनपा सीमा में अनधिकृत निर्माण फैल चुके हैं, वहीं कौसा क्षेत्र में सत्रह अनधिकृत इमारतों के मामले में उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। मनपा आयुक्त सौरभ राव को व्यक्तिगत रूप से कौसा जाकर उन इमारतों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। पिछले तीन वर्षों में बदले राजनीतिक हालात के अनुसार, कोरोना काल में अनधिकृत निमार्णों के मामले में जिन सहायक आयुक्तों की जांच की जा रही है, उनमें से एक को पदोन्नत कर पूरे शहर में अतिक्रमण की जिम्मेदारी दी गई है। उन अतिक्रमण उपायुक्तों का तत्काल तबादला कर अपराध जांच विभाग से जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही, वर्ष 2015 से जो अधिकारी अतिक्रमण उपायुक्त और जोनल उपायुक्त के पद पर हैं, उनकी भी अनधिकृत निर्माण के मामले में जांच कराई जानी चाहिए। क्योंकि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के आशीर्वाद से पूरे ठाणे शहर में बड़ी संख्या में अनधिकृत निर्माण कार्य हो रहे हैं, ऐसा आरोप ठाणे कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने मंगलवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में लगाया। इस समय ठाणे कांग्रेस के प्रवक्ता राहुल पिंगले और हिंदूराव गालवे भी मौजूद थे। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि मनपा के अधिकारी इतने अड़ियल हैं कि मेरे जैसे जनप्रतिनिधि को अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दो बार वार्ड समिति कार्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठना पड़ा। एक मामले में तो छह सप्ताह के भीतर न्यायालय को लिखित निवेदन देने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है। अकेले दिवा क्षेत्र के वार्ड 27, 28, 29 में तीन सौ से अधिक अनधिकृत निर्माण कार्य चल रहे हैं। इसलिए शहर में जिन इमारतों में अनधिकृत निर्माण कार्य चल रहे हैं या बन चुके हैं, उनके बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए जाने चाहिए। येऊर में ग्रीन जोन होने के बावजूद भी नगर विकास विभाग के अधिकारियों ने अवैध रूप से निर्माण की अनुमति दे दी है, पूरे ठाणे शहर में 500 से अधिक अनधिकृत निर्माण चल रहे हैं। जिससे नागरिक सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है। इसके साथ ही पुलिस और मनपा प्रशासन को भी अनधिकृत व्यवसायों जैसे पब, बार और अनधिकृत निर्माण के लिए सामग्री के आपूर्तिकताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, जहां अनधिकृत निर्माण चल रहे हैं, वहां के सहायक आयुक्त और प्रभाग समिति के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी अगर दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए और अनधिकृत निर्माण में सहयोग करने के लिए मोका के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। इसलिए, हाईकोर्ट के झटके के बाद विक्रांत चव्हाण ने मांग की है कि शहर में सभी अनधिकृत इमारतों को तुरंत सील किया जाए और चरणबद्ध तरीके से खाली कराया जाए, जैसा कि कौसा में किया गया था।

सुभाष सालुंके और सुवर्णा सालुंके के सौजन्य से करिअर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया

आतिश कुलकर्णी और प्रसन्न हार्डीकर सर ने विद्यार्थियों और युवाओं का मार्गदर्शन किया।

10 वीं, 12 वीं और 15 वीं के विद्यार्थियों ने मार्गदर्शन शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ नगरपालिका के पूर्व नगरसेवक और शिवसेना के वरिष्ठ नेता सुभाष सालुंके और संवाद फाउंडेशन की प्रमुख सुवर्णा सालुंके के सौजन्य से अंबरनाथ पूर्व के वड़वली सेक्शन स्थित रोटरी क्लब हॉल में विगत 14 जून को 23 वें करिअर मार्गदर्शन शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह मार्गदर्शन शिविर छात्रों और युवाओं को अपने भविष्य के लक्ष्यों और विकल्पों को तलाशने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में प्रतिवर्ष उपलब्ध रहता है। मार्गदर्शन शिविर का प्रारंभ शिवसेना के कल्याण जिला अध्यक्ष गोपाल लांडगे, कोंकण विभाग शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर महात्रे ने दीप प्रज्ज्वलन और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके मार्गदर्शन शिविर का प्रारंभ किया। इस करिअर मार्गदर्शन शिविर में 10 वीं 12 वीं और 15 वीं पास करके आने वाले विद्यार्थियों को भविष्य में किस फील्ड में अपना भविष्य निर्माण करना है। उनकी करिअर संबंधी जिज्ञासाओं, शंकाओं का समाधान करने के लिए आतिश कुलकर्णी और प्रसन्न हार्डीकर ने अपने कुशल मार्गदर्शन, ज्ञान और गाइडेंस करने की कला से उपस्थित सभी विद्यार्थियों और पालकों को परामर्श दिया और विद्यार्थियों का शंका समाधान किया। पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके, सुवर्णा सालुंके और संवाद फाउंडेशन विगत 23 वर्षों से विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और भविष्य निर्माण के लिए इस प्रकार के शिविर का आयोजन करता रहा है। इस बार इस शिविर में 118 विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। उन्हें भविष्य के लिए करिअर संबंधी पुस्तकें, प्रशस्ति पत्र और गुलाब का पुष्प प्रदान कर उनका स्वागत सत्कार किया गया। शिविर में विद्यार्थी और अभिभावकों के बीच संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस मार्गदर्शन शिविर को सफल बनाने में प्रा. नाजिम शेख, प्रा. यास्मीन शेख, एडवोकेट बाला मुदलियार, सुशील इंगले, मानसी सालुंके, शिवसेना महिला आघाड़ी, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बढ़ चढ़ कर सहभाग किया और शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

सांप के काटे से कोटेदार की मौत

भट्टे पर सोते समय हुआ हादसा, अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ा

शाहजहांपुर, खुटार थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। हिटौटा गांव के 32 वर्षीय कोटेदार मनोज कुमार की सर्पदंश से मौत हो गई। मनोज कुमार एट भट्टे पर बने चबूतरे पर सो रहे थे। रात के दौरान सांप ने उनके पैर में काट लिया। इससे उनकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन मंगलवार तड़के करीब 3 बजे मनोज को खुटार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मनोज की असामयिक मृत्यु से परिवार में शोक की लहर है।

शाहजहांपुर में युवक से मारपीट

चुनाव में हार का बदला, पीड़ित पर ही एफआईआर दर्ज करने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, चुनावी रंजिश का एक मामला सामने आया है। थाना तिलहर क्षेत्र के खलील कटरा मोहल्ले निवासी तन्नू के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। अमन के अनुसार, उनके रिश्तेदार तन्नू शेरगढ़ जा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने कहा कि तुम्हारे रिश्तेदार की वजह से चुनाव हारा हूं। विरोध करने पर आरोपी ने अपने साथियों को बुला लाए। उन्होंने लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने सत्ता पक्ष का समर्थन होने की बात कही। पीड़ित को जमीन पर गिराकर पीटा। गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद आरोपी ईंट-पत्थर फेंकते हुए जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी थाने पहुंच गए। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा पीड़ित को मेडिकल के नाम पर थाने में रोक दिया गया। अगले दिन आरोपियों के दबाव में पुलिस ने पीड़ित के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली। पीड़ित ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने परिवार को जान का खतरा बताया है। सीओ तिलहर ज्योति यादव ने कहा कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मड़िहान-हलिया में बारिश से जनजीवन प्रभावित

दुकानों और घरों में घुसा पानी; 33 डिग्री पहुंचा तापमान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, मौसम ने राहत की करवट ली। दोपहर में आसमान पर छाए घने बादलों और 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दी। तेज धूप और उमस से बेहाल जनता को बादलों की चादर और छिटपुट बारिश ने सुकून का अहसास कराया। पारा 36 डिग्री सेल्सियस से लुढ़ककर 33 डिग्री पर आ गया। मिर्जापुर के दक्षिणी हिस्से, खासकर मड़िहान और हलिया क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई। मड़िहान तहसील परिसर में लगभग 15 मिनट की बारिश से जलप्रवाह शुरू हो गया, जिससे आमजन का आवागमन प्रभावित हो गया। पहाड़ी क्षेत्रों में पानी की निकासी न होने से सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई। हलिया कस्बे में पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क निर्माण के दौरान पुरानी नाली तोड़ दी गई, लेकिन नई नाली का निर्माण नहीं कराया गया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 6 लोग झुलसे

मां-बेटे की हालत गंभीर, स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा इलाज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, हलिया थाना क्षेत्र के मतवार और मतवरिया गांवों में मंगलवार की शाम अचानक बदले मौसम ने तबाही मचा दी। तेज गरज-चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो महिलाओं समेत कुल छह लोग झुलस गए। घायलों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मतवार गांव के मझिगवां इलाके में 33 वर्षीय सावित्री देवी अपने दो बेटों सुग्रीव (14) और सूरज (10) के साथ बरामदे में बैठकर बारिश का आनंद ले रही थीं। अचानक पास में ही आकाशीय बिजली गिरने से तीनों उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने तुरंत उन्हें नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार पहुंचाया, जहां डॉ. कामेश्वर तिवारी ने उनका इलाज शुरू किया और तीनों को भर्ती कर लिया। इसी तरह मतवरिया गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने की दूसरी घटना में 50 वर्षीय नेवासी देवी, 23 वर्षीय छोटू और 27 वर्षीय प्रमिला झुलसकर अचेत अवस्था में पहुंच गए।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर

महिला की मौत, पति घायल; बहन के घर से लौट रही थी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मोहल्ला मेहमानशाह की रहने वाली नाजमा अपने पति जुल्फिकार हसन के साथ स्कूटी पर सवार थीं। वे अपनी बहन उजमा के घर से लौट रहे थे। लौहारा वाला चौराहे के पास एक कार ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में नाजमा की मौके पर ही मौत हो गई। जुल्फिकार को मामूली चोटें आईं। कार चालक मौके से फरार हो गया। परिवार के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। वह नाजमा को राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर आए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखा गया है। जुल्फिकार ने बताया कि वह ट्रक मैकेनिक हैं और उनकी दो बेटियां हैं। परिवार ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस परिवार को पोस्टमार्टम के लिए समझा रही है।

दहेज में नहीं मिली कार और चैन

पति-देवरों ने महिला को कमरे में बंद कर पीटा, चाकू से किया वार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दहेज की मांग पूरी न होने पर एक महिला को उसके पति और देवरों ने प्रताड़ित किया। थाना कांट क्षेत्र की रहने वाली महिला की शादी 6 साल पहले थाना कटरा क्षेत्र निवासी वसीम से हुई थी। महिला के ससुराल वाले शादी के बाद से ही उसे कम दहेज के लिए परेशान करते थे। उन्होंने दहेज में कार और सोने की चैन की मांग की। पीड़िता ने बताया कि उसके पिता ने रिश्तेदारों से कर्ज लेकर शादी की थी। यह कर्ज अभी तक नहीं चुक पाया है। 6-7 मई की रात को आरोपियों ने महिला को एक कमरे में बंद कर दिया। एक देवर ने उसके हाथ पर चाकू से वार किया। इस हमले में उसके नाक और कान से खून निकला। दूसरे देवर ने उसे बांधकर कमरे में डाल दिया। मायके वालों को जब इसकी जानकारी मिली तो वे मदद के लिए पहुंचे। ससुराल वालों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके दोनों देवर उसके साथ अवैध संबंध बनाना चाहते हैं। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

मुकदमा खत्म कराने के नाम पर एक लाख की ठगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जलालाबाद में एक युवक से मुकदमा खत्म कराने के नाम पर एक लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। मामला गांव मझोला गोटिया का है। पीड़ित अनिल के खिलाफ 17 जून 2024 को थाना मदनापुर में छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी दौरान गोपाल सिंह नाम के व्यक्ति ने उससे संपर्क किया। गोपाल ने दावा किया कि वह थाने में बात करके मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगवा देगा। पीड़ित ने मगटोरा चौराहे पर गोपाल सिंह को एक लाख रुपए दिए। मनोज सिंह नाम के व्यक्ति ने गारंटी दी कि अगर काम नहीं हुआ तो पैसे वापस करा देगा। लेकिन इसके बाद पुलिस ने पीड़ित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल से छूटने के बाद जब पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी गोपाल और मनोज टालमटोल करने लगे। अब दोनों उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी शुरू

आर्मेनिया के रास्ते निकाले जा रहे; 110 स्टूडेंट बॉर्डर पर पहुंचे; जानिए आर्मेनिया को ही क्यों चुना

एजेंसी

तेहरान/नई दिल्ली, इजराइल-ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया बॉर्डर के रास्ते देश से बाहर निकाला गया है। इन छात्रों में ज्यादातर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, जो ईरान के उर्मिया शहर से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। दैनिक भास्कर ने ईरान से भारत लौट रहे दो छात्रों के पेरेंट्स से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय समय के अनुसार 16 जून की रात दो बजे छात्रों को यूनिवर्सिटी कैंपस से आर्मेनिया बॉर्डर तक लाया गया था। कश्मीर के अनंतनाग के रहने वाले मोहम्मद शफी भट ?ट ने बताया कि उनकी बेटी तय्यैबा शफी उर्मिया यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस फाइनल ईयर की छात्रा है। उनकी बेटी उनसे लगातार संपर्क में है। हालांकि, आज बात नहीं हुई है। छात्रों

के साथ भारतीय एंबेसी के अधिकारी हैं। सभी बुधवार को भारत पहुंच जाएंगे। इसी तरह, कश्मीर के शोपियां के रहने वाले मोहम्मद अनवर भट ?ट ने बताया कि उनकी अपनी बेटी कहकशां अनवर से कल ही बात हुई थी। कहकशां ईरान से बाहर आ गई है। कहकशां के पास ईरान का सिम है, इसलिए आज परिवार की बात नहीं हो सकी है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जा रहा है। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी। ईरान के ज्यादातर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस समय नागरिक उड़ानों के लिए बंद हैं। युद्ध जैसे हालात की वजह से वहां से फ्लाइट उड़ाना सुरक्षित नहीं है। ईरान में बीते 5 दिनों से जारी इजराइली हमले से हालात काफी बिगड़ गए हैं। सीएनएन के मुताबिक शहर के पेट्रोल पंपों पर कारों की लंबी-लंबी लाइनें लगने लगी हैं। लोग डरे हुए हैं और शहर छोड़कर बाहर जाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक सिर्फ तेहरान में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। एक शख्स ने रॉयटर्स को बताया कि कई बार कतार में लगने के बाद भी पेट्रोल मिलना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि ईंधन की सप्लाई सीमित है। तेहरान के एक निवासी ने कहा कि लोगों के पास बमबारी से बचने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। पूरे शहर में कोई शेल्टर नहीं है जहां लोग भागकर जान बचा सकें। बहुत से लोग उत्तर की ओर कैस्पियन सागर की ओर जा रहे हैं, जो अपेक्षाकृत शांत और दूरदराज का इलाका है, लेकिन रास्ते इतने जाम हो चुके हैं कि वहां पहुंच पाना भी मुश्किल हो गया है। इजराइल ने रविवार को चेतावनी दी थी कि जो लोग हथियार बनाने वाले इलाकों के पास रहते हैं, वे तुरंत वहां से निकल जाएं क्योंकि खतरा और बढ़ सकता है।

सद्दाम हुसैन जैसा होगा हाल, इजरायल के रक्षा मंत्री की खामनेई को सीधी चेतावनी

एजेंसी

ईरान से लड़ाई के बीच इजरायल ने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामनेई को चेतावनी दी है। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने आईडीएफ के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक आकलन के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को इराक के पूर्व तानाशाह सद्दाम हुसैन की तरह हश्र होने की चेतावनी दी है। कैट्ज ने कहा कि मैं ईरानी तानाशाह को

युद्ध अपराध करने और इजराइली नागरिकों पर मिसाइलों को लॉन्च करने के खिलाफ चेतावनी देता हूं। कैट्ज ने हुसैन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें ईरान के पड़ोसी देश के तानाशाह के हश्र को याद रखना चाहिए, जिसने इजराइल राज्य के खिलाफ यही रास्ता चुना था। एक इराकी तानाशाह हुसैन जिसे 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण के दौरान सत्ता से उखाड़ने के बाद सरेआम फांसी पर लटका दिया गया था। कैट्ज ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के तेहरान मुख्यालय पर एक दिन पहले हुए इजरायली हमले का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरानी नागरिक शासन के अन्य विस्तारों को भी निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम आज भी तेहरान में शासन और सैन्य ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे, जैसा कि हमने कल दुष्प्रचार और भड़काऊ प्रसारण प्राधिकरण के खिलाफ किया था।

> कैट्ज ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के तेहरान मुख्यालय पर एक दिन पहले हुए इजरायली हमले का संदर्भ देते हुए कहा कि ईरानी नागरिक शासन के अन्य विस्तारों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

कैट्ज ने कहा कि मैं तेहरान के निवासियों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए आईडीएफ प्रवक्ता के फारसी भाषा में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन क्षेत्रों को खाली कर दें।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने अपनी पिछली टिप्पणियों को वापस लेते हुए कहा कि इजराइल का तेहरान के निवासियों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। कैट्ज ने एक बयान में कहा कि मैं स्पष्ट रूप से स्पष्ट करना चाहता हूं कि तेहरान के निवासियों को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि तेहरान के निवासियों को तानाशाही की कीमत चुकानी होगी और उन क्षेत्रों से अपने घर खाली करने होंगे जहां तेहरान में शासन के लक्ष्यों और सुरक्षा बुनियादी ढांचे पर हमला करना आवश्यक होगा।

सिंधु समझौता- पाकिस्तान में चिनाब का पानी 92% घटा

डेड लेवल से नीचे जाने की कगार पर नदी का स्तर, 40% फसल बर्बाद होने का खतरा

एजेंसी

इस्लामाबाद, भारत ने पहलगाम हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। अब पाकिस्तान में इसका असर दिखने लगा है। पाकिस्तान में चिनाब नदी का फ्लो 92% तक घट चुका है। नदी में 29 मई को वाटर फ्लो 98 हजार 200 क्यूसेक था। अब यह घटकर सिर्फ 7200 क्यूसेक रह गया है। पानी का स्तर 3000 क्यूसेक यानी डेड लेवल से भी नीचे जा सकता है। पंजाब और सिंध प्रांत के 6.5 करोड़ किसान सिंचाई के लिए चिनाब पर निर्भर हैं। पानी की कमी के चलते यहां की 40% से ज्यादा फसल बर्बाद होने की कगार पर हैं। सिंधु पर बने तारबेला बांध और झेलम पर बने मंगला बांध में भी पानी की बहुत कमी है। इस वजह से पाकिस्तान का कृषि मंत्रालय मान चुका है कि इस बार खरीफ सीजन हाल के इतिहास का सबसे खराब हो सकता है। अब तक 2200 अरब रुपए का नुकसान पानी की कमी के चलते पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ किसान संगठनों में गुस्सा है। पाकिस्तान किसान इत्तिहाद (पीकेआई) ने चेतावनी दी है कि हालात नहीं सुधरे तो किसान इस्लामाबाद कूच करेंगे। पीकेआई का दावा है कि पानी की कमी से सिर्फ गेहूं की फसल में 2200 अरब रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। यह कुल कृषि जीडीपी का 23.15% है। पानी की परेशानी दूर नहीं हुई, तो यह नुकसान साल के आखिर तक 4500 अरब रुपए तक पहुंच सकता है। दुनिया के 7वें सबसे बड़े बांध का जलस्तर आधे से कम पाकिस्तान के अहम बांधों की हालत बेहद खराब है। तारबेला और मंगला बांध करीब आधे खाली हो चुके हैं। दुनिया के सातवें सबसे बड़े बांध मंगला में अब 27 लाख एकड़-फुट पानी बचा है। इसकी कुल क्षमता 59 लाख एकड़-फुट है। वहीं, तारबेला में सिर्फ 60 लाख एकड़-फुट (कुल क्षमता 116 लाख एकड़-फुट) पानी बचा है। अगर पानी की सप्लाई इसी तरह कम होती रही, तो अब तक जमा पानी का 50% हिस्सा भी खत्म हो जाएगा। ग्रीन पाकिस्तान प्रोजेक्ट को सरकारी षड्यंत्र मान रहे किसान ग्रीन पाकिस्तान प्रोजेक्ट के तहत बहावलपुर जैसे रेगिस्तानी इलाकों को नहरों से जोड़ा जाना है, लेकिन किसान नेता कहते हैं कि इससे देश के दक्षिणी हिस्सों में पानी घटेगा। सिंध के किसान नेता मूसा अली का कहना है कि ग्रीन पाकिस्तान सरकारी षड्यंत्र है। कई किसान संगठन मार्च में इसके खिलाफ धरना दे चुके हैं। पीके आई अध्यक्ष खालिद महमूद खोकहर का कहना है कि बर्बाद फसलें कर्ज बढ़ा रही हैं। इसके चलते लाखों किसान भूखे मरने की कगार पर हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के किसान नेता अहमद शरीफ ने कहा कि अब पानी की समस्या नेशनल इमरजेंसी बन गई है। इसके चलते राशन की कीमतें अभी से आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान ने चिट्ठी लिखकर पानी देने की गुहार लगाई सिंधु जल समझौता बहाल करने को लेकर पाकिस्तान भारत को अब तक चार चिट्ठियां भेज चुका है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि इन चिट्ठियों में से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजी गई है। चारों चिट्ठियां पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को भेजी थीं। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेज दिया।

पाकिस्तान गुरुधामों के लिए नहीं जाएगा सिख जत्था

भारत-पाक विवाद को लेकर एसजीपीसी का फैसला; 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया था आवेदन

एजेंसी

अमृतसर, भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। एसजीपीसी ने

कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। इस यात्रा के लिए पहले ही 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने आवेदन किया था और अपने पासपोर्ट एसजीपीसी के पास वीजा संबंधित कार्रवाई के लिए भेजे थे। इस बीच, एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार की उस हरकत की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने एक सिख युवक पर चप्पल फेंकी थी। ये चप्पल सिख युवक की पगड़ी पर जा लगी।

दिल्ली में गद्दारी- बिहार में यारी, नहीं चलेगी...

बिहार चुनाव के लिए आप का बड़ा ऐलान

एजेंसी

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमाएगी। संजय सिंह बिहार के लिए पार्टी के प्रभारी भी हैं। उन्होंने राज्य की राजधानी में संवाददाताओं से बात की, जहां उन्होंने एनडीए सरकार के खिलाफ आप के धरने में हिस्सा लिया। एक्स पर संजय सिंह ने लिखा कि दिल्ली में गद्दारी- बिहार में यारी, नहीं चलेगी-नहीं चलेगी। जो दिल्ली से बिहारी भाइयों को भगा रही है, उस इखढ को बिहार से भगाओ। दिल्ली में बिहार के लोगों के घर उजाड़े जाने के विरोध में पटना में विशाल विरोध प्रदर्शन।

सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि दिल्ली और पंजाब में अपनी पकड़ बनाने वाली आप, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के अलावा, बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, ₹हम बिहार में चुनाव लड़ेंगे। किन सीटों पर चुनाव लड़ना है, इसका विवरण केंद्रीय नेतृत्व द्वारा समय आने पर तय किया जाएगा। सिंह ने कहा, ₹दिल्ली में भाजपा सरकार

सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि दिल्ली और पंजाब में अपनी पकड़ बनाने वाली आप, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के अलावा, बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

बिहार और पूर्वांचल के प्रवासियों के साथ दुश्मन देश के नागरिकों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्हें बेघर किया जा रहा है, क्योंकि झुग्गियों को बदला लेने के लिए ध्वस्त किया जा रहा है। हम बिहार के लोगों से राज्य में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए वोट देने का आह्वान करते हैं। संयोग से, अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप को राष्ट्रीय राजधानी में लगातार दो कार्यकालों तक सत्ता में रहने के बाद इस साल की शुरूआत में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा के हाथों अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया, ₹जब हम सत्ता में थे, तब भाजपा दिल्ली में रहने वाले बिहारियों और पूर्वांचलियों को झुग्गियों की जगह पक्के मकान देने का वादा करके लुभाती थी। जब प्रवासी भाइयों को चुनाव प्रचार के दौरान अपने तेवर दिखाने पड़े, तो उन्होंने अपने तीखे तेवर दिखाए।

इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा।

जो लोग छोड़ना चाहते हैं, वे स्वतंत्र हैं

एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके जरिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि

इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह (2027 यूपी विधानसभा) चुनाव लड़ेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाजार को विदेशियों से कब्जा करा दिया। इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा भू-माफियाओं को संरक्षण देती है जो सरकारी और गरीब लोगों की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे आवश्यक क्षेत्र बदहाल हैं। यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व स्वदेशी उत्पादों की वकालत क्यों नहीं करता। उन्होंने स्थानीय बाजारों में विदेशी उत्पादों के वर्चस्व के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के आर्थिक प्रदर्शन की आलोचना करते हुए यादव ने कहा कि सरकार की नीतियां हर मोर्चे पर विफल रही हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के 11 साल और राज्य सरकार के नौ साल में कोई खास उपलब्धि नहीं मिली है।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है।

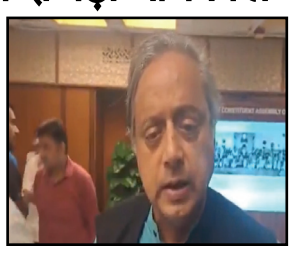

एजेंसी

विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चचाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे। शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई

जातिगत जनगणना को लेकर सरकार की नीयत में खोट, पर्याप्त धनराशि भी नहीं की आवंटित : सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार सदन और सदन से बाहर जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे. तब भाजपा और मोदी सरकार जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को अर्बन नक्सल बता रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार इस मांग को उठा रही थी और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव के बाद ही मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को स्वीकार किया है.

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने जातिगत जनगणना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा.

एजेंसी

जयपुर : केंद्र की मोदी सरकार की ओर से जातिगत जनगणना का गजट नोटिफिकेशन जारी करने के बाद अब कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए सरकार के मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं. कांग्रेस का कहना है कि सरकार की नीयत में खोट है, इसलिए जानबूझकर जातिगत जनगणना को टालने का काम किया जा रहा है. कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की नियत पर सवाल खड़े किए. पायलट ने कहा कि

सरकार ने जो नोटिफिकेशन जारी किया है वो 2027 के लिए किया है, जबकि जातिगत जनगणना की शुरूआत अभी होनी चाहिए थी. जातिगत जनगणना के लिए हजारों करोड़ों रुपए की राशि की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार ने केवल 570 करोड़ रुपए ही आवंटित किए हैं, इसके लिए पर्याप्त राशि आवंटित नहीं कर रहे हैं. मांग करने पर हमें अर्बन नक्सल कहा : सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार सदन और सदन से बाहर जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे. तब भाजपा और मोदी सरकार जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को अर्बन नक्सल बता रहे थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार इस मांग को उठा रही थी और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव के बाद ही मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को स्वीकार किया है. देश की जनता भी इसे लेकर जागरूक थी कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए. कई बार भाजपा और मोदी सरकार ने सदन में भी जाति जनगणना से इनकार करते हुए कहा था कि इसकी कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अब ऐसी क्या मजबूरी हो गई कि उन्हें जातिगत जनगणना को स्वीकार करना पड़ा. पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के भारी दबाव और जनता की जागरूकता के बाद इन्हें लगने लगा कि इस मांग को ज्यादा दिन तक ठुकरा नहीं सकते हैं

संक्षेप

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू का विरोध

कहा- डीएम से मिलने का समय न मिला तो आंदोलन की दी चेतावनी

सुलतानपुर, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह ने सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को मांग पत्र सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मासिक बैठकों में सिटी मजिस्ट्रेट या एसडीएम को ज्ञापन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डीएम से मुलाकात का समय नहीं मिला तो 'करो या मरो' के तर्ज पर आंदोलन किया जाएगा। किसानों की प्रमुख मांगों में तालाबों में पानी की कमी, पशुओं के लिए गर्मी में राहत की व्यवस्था और अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा शामिल है। इसके अलावा गलत मीटर रीडिंग से किसानों को भारी-भरकम बिल आने की शिकायत भी की गई। रजिस्ट्रार कार्यालय में लिखा-पढ़ी के दौरान 20 से 100 प्रतिशत तक की कमीशन की मांग से क्रेता-विक्रेता परेशान हैं।

आईएएस बनवाने के नाम पर 36 लाख की ठगी

अधिवक्ता और उसके बेटे समेत 7 पर केस, फर्जी नियुक्ति पत्र देकर की धोखाधड़ी

सुलतानपुर, आईएएस बनाने के नाम पर अधिवक्ता ने अपने बेटे और साथियों के साथ मिलकर 35 लाख की ठगी कर डाली। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की। कार्रवाई ने होने पर उसने एसपी से कार्रवाई क गुहार लगाई। एसपी के निर्देश पर कोतवाली नगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली के लक्ष्मणपुर निवासी पीड़ित प्रांजल त्रिपाठी ने प्रांजल ने बताया कि उन्होंने 2022 में यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा दी थी। इस दौरान उनकी मुलाकात कूरेभार के पिपरी साईं नाथपुर निवासी अधिवक्ता बजरंग द्विवेदी के पुत्र प्रणव द्विवेदी से हुई। प्रणव उनके घर आने-जाने लगा और परिवार का विश्वास जीत लिया। प्रणव ने दावा किया कि उसके कई केंद्रीय मंत्रियों से संबंध हैं। वह कई लोगों को आईएएस-पीसीएस बनवा चुका है। प्रणव ने 18 जनवरी 2023 को लखनऊ में प्रांजल को यूपीएससी मेन्स और इंटरव्यू का एडमिट कार्ड दिया।

तीन आलू बीज केंद्र बंद

किसान बाजार से खरीद रहे बीज, सरकारी केंद्रों की इमारतें खंडहर में तब्दील

सुलतानपुर, स्थित तीनों आलू बीज उत्पादन केंद्र सालों से बंद पड़े हैं। करोड़ों की लागत से बने इन केंद्रों के भवन अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण किसानों को गुणवत्तापूर्ण आलू बीज के लिए बाजार का रुख करना पड़ रहा है। जिले में तीन प्रमुख आलू बीज उत्पादन केंद्र थे। कुड़वार ब्लॉक में 16 हेक्टेयर में बना केंद्र 1983 में स्थापित हुआ और 1995-96 में बंद हो गया। मोतिगरपुर ब्लॉक के रामपुर विरतिहां में 3.16 हेक्टेयर में 1981-82 में बना केंद्र भी 1995-96 में बंद हो गया।

लोक सेवा आयोग पर अभ्यर्थियों का धरना

प्रयागराज में जीआईसी एलटी, प्रवक्ता, खंड शिक्षाधिकारी समेत अन्य पदों पर नौकरी निकालने की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाद आज मंगलवार को प्रयागराज स्थित उप्र लोक सेवा आयोग के बाहर अभ्यर्थी धरना प्रदर्शन करेंगे। जीआईसी एलटी, प्रवक्ता, खंड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों के रिक्त पदों पर तत्काल विज्ञापन जारी करने की मांगों के समर्थन में अभ्यर्थियों ने धरना दिया।। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में पहुंचे अभ्यर्थियों ने अपनी बात रखी। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पिछले 8 वर्षों से कोई भी विज्ञापन जारी न होने पर युवा मंच प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में अभ्यर्थी लोक सेवा आयोग पर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। यहां गेट पर प्रदर्शन भी किया। उप सचिव विनोद कुमार गौड़ को ज्ञापन सौंपा गया। वह प्रतियोगियों के बीच उपस्थित होकर राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के रिक्त पदों पर जल्द ही विज्ञापन जारी करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन स्तर पर लगातार मीटिंग चल रही है। आरक्षण विसंगतियों को लेकर पत्र भेजा जा चुका है जैसे ही स्पष्टीकरण आता है तत्काल विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। वहीं प्रवक्ता, खंड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों में रिक्त पदों के भरे जाने को लेकर तकनीकी समस्या के निस्तारण की बात कही और नियमावली में बदलाव के बाद विज्ञापन देने की बात कही । अंतिम उत्तर कुंजी व परीक्षा में सामिल अभ्यर्थियों के प्राप्त अंकों को वेवसाइट पर जारी करने की बात पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामला न्यायालय में है हमारी सहानुभूति है यदि न्यायालय आदेश करता है तो जरूर अंतिम उत्तर कुंजी व प्रत्येक छात्रों के अंक जारी किए जाएंगे। अधिक उम्र सीमा पर करने वाले प्रतियोगी छात्रों ने विज्ञापन में देरी को लेकर 1992के नियम-3 के तहत कम से कम तीन वर्ष की उम्र सीमा में छूट का भी प्रस्ताव रखा जिसको लेकर शासन तक बात पहुंचाने व मंजूरी मिलने पर उम्र सीमा छूट की बात कही। इस अवसर पर प्रभाकर सिंह परिहार, बीएम भरद्वाज, अर्जुन प्रसाद, कपिल देव वर्मा, रवीन्द्र पांडेय, सुजीत मिश्र, सुरेंद्र कुमार, माया राम, सुचिता, प्रमोद, प्रदीप, मनोज आदि रहे। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शीतला प्रसाद ओझा बताते हैं कि 8 वर्षों से विज्ञापन नहीं जारी हुआ है। इससे बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र ओवरएज होते जा रहे हैं। उनकी नौकरी पानी की उम्मीदें टूटी जा रही है। ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखते हुए कम से कम तीन वर्ष की उम्र सीमा में छूट दिए जाने के साथ विज्ञापन जारी किया जाना चाहिए।

रेलवे ने सोलर एनर्जी से 1.6 करोड़ रुपए बचाए

42 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन, , सौर ऊर्जा से प्रयागराज मंडल को मिली बड़ी सफलता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल पर्यावरण संरक्षण और राजस्व बचत में नया मानक स्थापित कर रहा है। मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 42.19 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। इससे 1.6 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर कुँवर सिंह यादव के नेतृत्व में विभिन्न स्टेशनों पर 4700 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए गए हैं। प्रयागराज क्षेत्र में 1906 किलोवाट क्षमता के पैनलों से 20.98 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। इससे 65.55 लाख रुपए की बचत हुई। कानपुर क्षेत्र में 1200 किलोवाट क्षमता से 10.80 लाख यूनिट का उत्पादन हुआ। यहां 48.28 लाख रुपए की बचत दर्ज की गई। टूंडला क्षेत्र में 614 किलोवाट से 4.79 लाख यूनिट का उत्पादन और 23.46 लाख की बचत हुई। अलीगढ़ क्षेत्र में 236 किलोवाट से 2.39 लाख यूनिट उत्पादन से 8.01 लाख रुपए बचे। चुनार, मिजार्पुर, नैनी, इटावा, फफूंद और मानिकपुर स्टेशनों पर भी सौर ऊर्जा परियोजनाएं चल रही हैं। फरवरी 2025 में कानपुर के इलेक्ट्रिक लोको शेड समेत 5 भवनों को 'शून्य प्लस' ऊर्जा प्रमाणपत्र मिला है। यह प्रमाणपत्र विद्युत मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी ने दिया है।

जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार मंडल सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और रेलवे की आर्थिक स्थिति दोनों के लिए लाभदायक है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंबुलेंस-पिकअप की टक्कर

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, तेज रफ्तार एंबुलेंस ने पीछे से मारी टक्कर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि एक तेज रफ्तार एंबुलेंस ने आगे जा रही पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। यह घटना बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 59.7 पर हुई। पिकअप कानपुर से मछली लेकर सिलीगुड़ी जा रही थी। एंबुलेंस दिल्ली से एक शव लेकर बिहार के समस्तीपुर की ओर जा रही थी। हादसे में एंबुलेंस में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिले के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को सूचना दी। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

आईजी अयोध्या ने किया सुलतानपुर पुलिस लाइन का दौरा

नवचयनित प्रशिक्षुओं की ट्रेनिंग व्यवस्था का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार और पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर कुंवर अनुपम सिंह ने आज सुलतानपुर पुलिस लाइन का दौरा किया। उन्होंने नवचयनित प्रशिक्षुओं की ट्रेनिंग व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस महानिरीक्षक ने पुलिस लाइन में स्थित बैरक, स्नानागार, मैस और ग्राउंड का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान बैरक की साफ-सफाई, स्नानागार की सुविधाएं और भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर ने प्रशिक्षुओं से मुलाकात की। उन्होंने प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलें, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हो सकें। पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को सुविधाओं में सुधार और रख-रखाव के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन आशुतोष कुमार, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार, प्रशिक्षक और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पेड़ से लटका मिला व्यक्ति का शव

पुलिस को आत्महत्या का शक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, थाना जायस क्षेत्र के ओदारी ग्रामसभा में मंगलवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। पूरे तेजी गांव में रहने वाले रमेश (50) का शव यूकेलिप्टस के पेड़ से लटका मिला। घटना दोपहर 3 बजे की है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची जायस कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। मृतक रमेश के परिवार में पत्नी और दो विवाहित बेटे हैं। घटना की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों के मुताबिक रमेश शांत स्वभाव के थे। उनका किसी से कोई विवाद नहीं था। पुलिस मामले की हर दिशा से जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या रमेश किसी मानसिक तनाव में थे।

रिटायर्ड बैंक मैनेजर से पुलिस की दादागिरी

खेत विवाद में 112 के सिपाही ने जड़े थप्पड़, थाने में भी की पिटाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस की दादागिरी का मामला सामने आया है। पीपरपुर थाना क्षेत्र के खरगपुर गांव में एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की। पीएनबी से रिटायर्ड जय नारायण शुक्ल ने अपने खेत में अवैध खुदाई की शिकायत 112 पर की थी। मौके पर पहुंची पीआरवी के सिपाही मनोज शुक्ला ने बुजुर्ग जय नारायण को थप्पड़ मारा और गालियां दीं। इसके बाद उन्हें थाने ले जाया गया। वहां सिपाही दीपचंद प्रजापति ने भी उनकी पिटाई की। थाने में एसओ के मना करने पर भी सिपाही नहीं रुका। उसने मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर जबरन विपक्षियों से समझौता करवा दिया। पीड़ित का आरोप है कि 112 की टीम विपक्षियों से मिली हुई थी। उन्होंने रास्ते में ही सुविधा शुल्क ले लिया था। पीड़ित ने एसपी अपर्णा रजत कौशिक से मिलकर शिकायत की। एसपी ने दोषी सिपाहियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मूल विवाद गांव के सालिकराम द्वारा जय नारायण के खेत में मिट्टी खुदवाकर कब्जा करने की कोशिश को लेकर था।

गैंगस्टर की संपत्ति हुई जब्त

आरोपी लंबे समय से चल रहा है फरार, बुलंदशहर और संभल में भी दर्ज हैं मुकदमें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, पेशेवर अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पिसावा पुलिस ने लूट और चोरी जैसे मामले में वांछित चल रहे गैंगस्टर के खिलाफ संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी की चल संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने आमजनों को नुकसान पहुंचाकर ही यह संपत्ति अर्जित की है। जिसके चलते उसके नाम पर दर्ज ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर लिया गया है। इसकी कीमत लगभग 5.50 लाख रुपए है। आरोपी की अन्य संपत्ति का भी पता लगाया जा रहा है, जिसके बाद उसे भी गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त कर लिया जाएगा। पिसावा थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के सहजपुरा निवासी किरणपाल उर्फ कालू बृजपाल एक पेशेवर अपराधी है। उसके खिलाफ पिसावा थाने में आधा दर्जन नामजद मुकदमें दर्ज हैं। जिसके बाद उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। आरोपी अलीगढ़ के साथ ही अन्य जनपदों में भी जाकर चोरी और लूट जैसी घटनाओं को करता था। जिसके चलते उसके खिलाफ संभल जिले के थाना जूनामई और बुलंदशहर के थाना छतारी में नामजद मुकदमा दर्ज है। आरोपी कई बार जेल जा चुका है और एक पेशेवर अपराधी है। जो आमजनों को नुकसान पहुंचाने के लिए अपराध करता रहता है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से जब्त की जाने वाली संपत्तियों को कोर्ट की अनुमति के बाद नीलाम किया जाएगा। जिससे कि इससे मिलनो वाली राशि का इस्तेमाल आमजनों के लिए किया जा सके। पुलिस लगातार अपराधियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है। अलीगढ़ में पिछले चार सालों में अब तक गैंगस्टर एक्ट के आरोपियों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई करते हुए 125 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्ति जब्त की जा चुकी है। अपराधियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए आगे भी पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी।

जमींदोज घरों का आरोपी बिल्डर गिरफ्तार

नाटकीय अंदाज में पुलिस ने पकड़ा, एसएसपी ने 25 हजार का घोषित किया था इनाम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना गोविंद नगर क्षेत्र में रविवार को हुए हादसे के बाद इसका सबसे बड़े जिम्मेदार को गिरफ्तार कर लिया है। मृत हुई बच्चियों के परिजनों ने एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 4 टीम बनाई थीं। एसएसपी श्लोक कुमार ने आरोपी बिल्डर पर इनाम घोषित किया हुआ था । वहीं डीएम ने पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं। मथुरा के कच्ची सड़क क्षेत्र स्थित टीला काटकर जमीन समतलीकरण के दौरान हुए हादसे के बाद चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय जनता में चर्चा थी कि उक्त स्थान को माया टीला के नाम से जाना जाता है। जब यह टीला था तो सरकार द्वारा संरक्षित टीले की खरीद फरोख्त बगैर पुरातत्व विभाग की अनुमति के कैसे हो रही थी। नियमों के तहत संरक्षित स्थान पर किसी भी सूरत में निर्माण करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि उक्त जगह सिद्ध बाबा मंदिर की है जिसे कोई बेच नहीं सकता है । बहुत लोग इस स्थान को अंबरीश टीला भी बोलते है। यहां पर स्कूटर कार पार्किंग है जिसमें गाड़ी खड़ी करने की एवज में महीनेदारी ली जाती है। फिलहाल काम चलने के कारण वहां कोई वाहन वहां पार्क नहीं था।

डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत

बेटे ने स्वास्थ्य मंत्री से की शिकायत, अस्पताल सीज करने और डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक डॉक्टर की लापरवाही का मामला सामने आया है। हनुमंत मैटरनिटी एवं ट्रामा सेंटर में पथरी के ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई। मृतका के बेटे ने स्वास्थ्य मंत्री से शिकायत की है। शिवकुमारी को पित्त की थैली में पथरी की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. मानसी तोमर, डॉ. डीबी सिंह और डॉ. मो. रजा ने ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद रात भर कोई डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आया। स्टाफ नर्स ने मरीज को चलने के लिए कहा। परिजनों के विरोध के बावजूद नर्स ने डॉक्टर की सलाह बताकर मरीज को चलाया। इस दौरान मरीज की हालत बिगड़ गई। नर्स ने एक इंजेक्शन लगाया। डॉक्टर को बुलाने के बावजूद कोई नहीं आया।

सीएचसी संग्रामपुर में साप्ताहिक समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी रिपोर्ट और पोर्टल फीडिंग की ली जानकारी, सुधार के दिए निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर में मंगलवार को एएनएम की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी एएनएम से विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी रिपोर्ट और पोर्टल फीडिंग की जानकारी ली गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह और बीपीएम शंभूनाथ पांडेय ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लटकर रिपोर्ट और ई-कवच फीडिंग की समीक्षा की गई। आभा कार्ड और जनसंख्या अद्यतन की स्थिति की जानकारी ली गई। सी-बैक फॉर्म और इंकार बच्चों की सूची का निरीक्षण किया गया। डिलीवरी रिपोर्ट और एएनसी फीडिंग की प्रगति देखी गई। ओपीडी रिपोर्ट और सैम बच्चों की सूची की समीक्षा की गई। फैमिली प्लानिंग पोर्टल का आईडी पासवर्ड सहित मांग पत्र, हेड काउंटर सर्वे रिपोर्ट और स्टॉक रजिस्टर की जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने सभी एएनएम को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए नियमित रूप से डेटा अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं तभी संभव हैं जब फील्ड से जुड़ी सभी रिपोर्ट समय पर और सही तरीके से संकलित की जाएं।

साथ ही सभी रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने पर जोर दिया गया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी